RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 29 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 21-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं : जूली

6 कश्मीर पर अमेरिका का बदलता रुख

7 फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं : कियारा आडवाणी

फर्स्ट टेक

चीन की कम्पनी 'एवरग्रांडे' के संस्थापक को उम्रकैद की सजा

हांगकांग/एपी। चीन की संकटग्रस्त रीयल एस्टेट कंपनी 'एवरग्रांडे' के संस्थापक हुई का यान को बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही उनकी कंपनियों पर दो अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। दक्षिणी चीन के शेनजेन शहर की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को यह फैसला सुनाया। वर्ष 2020 में जब चीनी अधिकारियों ने रियल एस्टेट क्षेत्र में अत्यधिक कर्ज लेने पर रोक लगाई, तब एवरग्रांडे कंपनी पर 300 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की देनदारियां थीं और वह कंगाल हो गई थी। इस फैसले को एवरग्रांडे मामले में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। शेनजेन शहर की एक अदालत ने 67 वर्षीय हुई (जिन्हें शू जियायिन भी कहा जाता है) और उनकी कंपनी 'एवरग्रांडे' को बहुत बड़े आर्थिक घोटाले का दोषी पाया है।

अमेरिकी राजदूत पहली लद्दाख यात्रा पर पहुंचे

लेह/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने लद्दाख की अपनी पहली यात्रा के दौरान बृहस्पतिवार को संगम में जंस्कार और सिंधु नदियों के संगम स्थल पर रिवर राफ्टिंग की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गोर के लद्दाख दौरे का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश के अनूठे प्राकृतिक परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करना था। अमेरिकी राजदूत बुधवार को श्रीनगर पहुंचे थे जहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से उनके आवास पर मुलाकात की। संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान गोर ने जम्मू कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की।

'समाधान समारोह' यह सुनिश्चित करने का प्रयास कि दोनों पक्षों को लगे कि उनकी जीत हुई : सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की 'समाधान समारोह' पहल का उद्देश्य लंबित मामलों का मध्यस्थता के जरिए इस तरह समाधान करना है कि दोनों पक्षों को यह महसूस हो कि उनकी जीत हुई है। उच्चतम न्यायालय के 'समाधान समारोह' के तहत मामलों के लंबित रहने की समस्या से निपटने के लिए मध्यस्थता और विवादों के सहमति से समाधान के अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पहल के जरिए पक्षकारों को आपसी सहमति से स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने में मदद की जाती है।

भारत-जापान ने समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए किया समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सैन्य सहयोग में तालमेल बढ़ाने का संकल्प लिया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके जापानी समकक्ष शिंजिरो कोइजुमी के बीच हुई वार्ता में दोनों नेताओं ने नौवहन और हवाई मार्गों की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा को प्रभावित करने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई तथा बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया।

दोनों देशों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि राजनाथ और कोइजुमी ने मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थापना के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बयान में कहा गया, दोनों मंत्रियों ने बढ़ते वैश्विक तनाव के दौर में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा माहौल के आकलन को साझा करने के महत्व पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि वे नौवहन और हवाई मार्गों की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई तथा बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं। यह टिप्पणी चीन की ओर संकेत के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि भारत और जापान दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर में बीजिंग की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंतित हैं।

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन' (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा उपलब्ध कराएगा। इस समझौते के तहत जापानी समुद्री आत्मरक्षा बल और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग को मजबूत किया जाएगा। इसमें समुद्री क्षेत्र की जागरुकता से जुड़ी सूचनाओं का आदान-प्रदान और खोज एवं बचाव अभियान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना शामिल है। राजनाथ और कोइजुमी ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को ठोस रूप देने के लिए तेजी से कदम उठाने पर सहमति जताई।

बचाव

उत्तराखंड के धारचूला में तावाघाट के पास कुलागाड पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद भारतीय सेना के कुमाऊं स्काउट्स के जवानों ने बचाव अभियान चलाया और फंसे हुए 300 से अधिक स्थानीय लोगों व पर्यटकों की मदद की।

'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का कांग्रेस का फैसला 'राष्ट्रविरोधी' : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

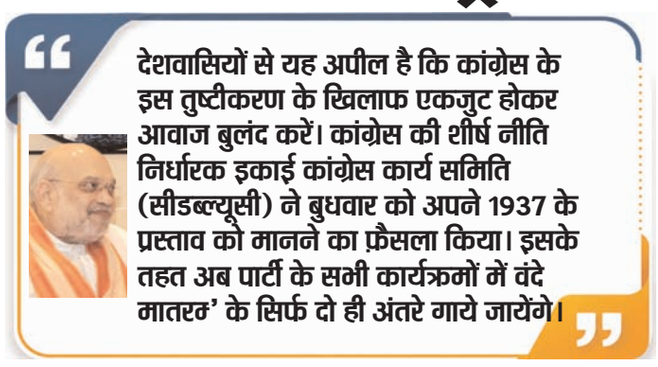

> देशवासियों से यह अपील है कि कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फ़ैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे।

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का पार्टी का फैसला 'राष्ट्र-विरोधी' है तथा इसका मकसद कानून की खुली अवहेलना कर ''वोट बैंक'' के लिए तुष्टीकरण करना है। शाह ने राष्ट्रगीत को पूरा गाने के बजाय केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के फैसले का उल्लेख करते हुए देश के विभाजन के इतिहास का जिक्र किया और कहा कि 'वंदे मातरज्ञ' के टुकड़े करने के कारण देश को इसके परिणाम भुगतने पड़े।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस कार्यसमिति ने 'वंदे मातरम' के पूर्ण गान की जगह केवल दो अंतरे गाने का जो फैसला किया है, वह न केवल देश विरोधी है बल्कि संसद के बनाए कानून की खुली अवहेलना भी है।'' शाह ने एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस ने ही 1937 में तुष्टीकरण के लिए 'वंदे मातरम' के दो टुकड़े किए। वहीं से दो-राष्ट्र सिद्धांत को ताकत मिली और देश का विभाजन हुआ।' उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष पर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी (के नेतृत्व वाली) सरकार ने यह ऐतिहासिक गलती सुधारी और पूर्ण गान को कानूनी स्वरूप दिया लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस फिर उसी वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण के रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' के टुकड़े करने की गलती एक बार हो चुकी है और देश उसके परिणाम भुगत चुका है। उन्होंने कहा, ''देशवासियों से यह अपील है कि कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें।'' कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फ़ैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे।

महात्मा गांधी की पांडुलिपि रिकॉर्ड 16.2 करोड़ रु में बिकी

नई दिल्ली/भाषा। महात्मा गांधी के अपने करीबी सहयोगी और स्वतंत्रता सेनानी आनंद टी. हिंगोरानी को लिखे गए 688 ऑटोग्राफ वाले विचारों (जिनमें सत्य, अहिंसा और सेवा जैसे विषय शामिल थे) के संग्रह को सैफ्रनआर्ट की नीलामी में 16.20 करोड़ रुपये में बेचा गया। यह नीलामी में बिके किसी भारतीय ऐतिहासिक दस्तावेज के लिए एक विश्व रिकॉर्ड है। हिंगोरानी की पत्नी विद्या के निधन के बाद दो साल तक मार्गदर्शन, चिंतन और हौसला बढ़ाने वाले रोजाना हाथ से लिखे संदेशों को बाद में अ थॉट फॉर द डे नाम की किताब में संकलित किया गया। ये संदेश दोनों के बीच हुए पत्राचार के सबसे निजी और सुरक्षित बचे हुए दस्तावेजों में से एक हैं।

'गांधी : फ्रॉम द कलेक्शन ऑफ आनंद टी. हिंगोरानी' नाम की नीलामी में गांधी से जुड़ी चिट्ठियों, पांडुलिपियों, तस्वीरों और निजी चीजों के 86 खंड शामिल थे। नीलाम करने वाली संस्था के अनुसार, इन पांडुलिपि में सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह (सांसारिक वस्तुओं या धन के प्रति मोह न रखना), निर्भयता, धार्मिक समानता, अस्पृश्यता निवारण, प्रार्थना, रामनाम, सेवा, श्रम, भूख, कर्तव्य, स्वराज, नैतिक जिम्मेदारी, मौन, अंतरात्मा की आवाज, अनासक्ति, आत्म-साक्षात्कार और ईश्वर की खोज जैसे विषयों पर चर्चा की गई है। यह संग्रह न सिर्फ अहम राजनीतिक घटनाओं को दर्ज करता है, बल्कि गांधीजी के जीवन के बेहद निजी पहलुओं को भी सामने लाता है। इसमें भारत की आजादी की लड़ाई के जन-नेता और उस निजी व्यक्ति-जो अपने सबसे करीबी लोगों को सलाह, सांत्वना, अनुशासन और स्नेह देते थे-दोनों की झलक मिलती है। सैफ्रनआर्ट के सहसंस्थापक दिनेश वाजीरानी ने एक बयान में कहा, 'खंड 80' यानी गांधीजी द्वारा हिंगोरानी के लिए लिखे गए विचारों की एक शृंखला को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इसके दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व को और पुख्ता करती है। ये विचार एक साथ मिलकर इस बात की अनूठी मिसाल पेश करते हैं कि गांधीजी ने उन सिद्धांतों को अपने जीवन में कैसे उतारा जिनका वे सार्वजनिक रूप से समर्थन करते थे; यही बात इसे उनके विचारों और कार्यों का एक बेहद बेशकीमती रिकॉर्ड बनाती है।

रूस के मिसाइल हमले में कीव में 14 लोगों की मौत, 33 अन्य घायल

कीव/एपी। रूस ने रातभर यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के इलाकों में कई मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि कई घंटे चले इस हवाई हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है। रूस की सेना ने हाल के महीनों में कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले तेज कर दिए हैं। इसका एक मुख्य कारण यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित पैट्रियाट हवाई रक्षा मिसाइलों की लगातार हो रही कमी है। यूक्रेन के पास यह एकमात्र ऐसा हथियार है, जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने विभिन्न देशों से और अधिक पैट्रियाट मिसाइलें भेजने की अपील की है। हालांकि, ईरान युद्ध और रूस के खिलाफ यूक्रेन की चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध के कारण इन मिसाइलों के अंतरराष्ट्रीय भंडार में काफी कमी आई है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रातभर जारी रहे रूस के हमले में क्रूज मिसाइलों के साथ तेज गति से उड़ने वाले ड्रोन भी शामिल थे, जिससे वायु रक्षा प्रणाली पर दबाव और बढ़ गया। वायुसेना के अनुसार, कीव हमले का मुख्य निशाना था।

मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति चुने गए

ढाका/भाषा। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बृहस्पतिवार को देश के नये राष्ट्रपति चुने गए। देश में इस पद के लिए 35 साल में पहली बार हुए मुकाबले में 78 वर्षीय आलमगीर ने 255 मत प्राप्त किये। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी ए.एम.एम. नासिर उद्दीन ने कहा कि बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने अपने प्रतिद्वंद्वी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष एवं जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11-दलीय विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार कर्नल (सेवानिवृत्त) ओली अहमद को हरा दिया। उन्होंने कहा कि आलमगीर को 255 मत मिले, जबकि ओली अहमद को 88 मत प्राप्त हुए।

शीर्ष अदालत ने इमरान खान को अस्पताल भेजने के आदेश पर सरकार की पुनर्विचार याचिका लौटाई

इस्लामाबाद/लाहौर/भाषा। पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजने के अपने आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली सरकार की पुनर्विचार याचिका बृहस्पतिवार को लौटा दी। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को निर्देश दिया था कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 73 वर्षीय संस्थापक को अगले दो दिन के भीतर इस्लामाबाद के 'शिफा इंटरनेशनल अस्पताल' ले जाया जाए और 16 सितंबर के लिए निर्धारित अगली सुनवाई तक उन्हें वहीं रखा जाए।

सरकार ने पहले कहा था कि वह अदालत के आदेश को लागू करेगी, लेकिन बाद में शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर आदेश पर पुनर्विचार और उसे वापस लेने का अनुरोध किया। खबरों के अनुसार, अदालत के रजिस्ट्रार कार्यालय ने कागजात का पूरा संकलन नहीं होने का हवाला देते हुए सरकार की याचिका लौटा दी। सूत्रों ने बताया कि सरकार खामियों को दूर करने और जरूरी बदलाव करने के बाद नई याचिका दायर कर सकती है। हालांकि, 'पीटीआई' के महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि आपत्तियां उठाए जाने के बाद सरकार ने पुनर्विचार याचिका वापस ले ली। उन्होंने कहा, 18 अगस्त के उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन न करने का कोई बहाना नहीं है।

इमरान खान साहब को तत्काल शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाया जाना चाहिए। आज ही वह दिन है। न्यायमूर्ति शाहिद वहीद की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने अंतरिम निर्देश जारी किए थे और खान को अस्पताल भेजने की समयसीमा बृहस्पतिवार आधी रात को समाप्त हो जाएगी।

खान की पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें बृहस्पतिवार रात 11 बजकर 59 मिनट तक अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया तो वह शुक्रवार को सरकार के खिलाफ अदालत की अवमानना की याचिका दायर करेगी।

डीके शिवकुमार ने अमित शाह से अपर भद्रा परियोजना की प्रक्रिया तेज करने का आग्रह किया

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को चेन्नई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपर भद्रा परियोजना के लिए केंद्र द्वारा घोषित 5,300 करोड़ रुपये की राशि जल्द जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राशि जारी होने में देरी से परियोजना का काम प्रभावित हो रहा है। शिवकुमार ने यहां दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि कर्नाटक की पिछली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की थी लेकिन अब तक यह राशि जारी नहीं की गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने शाह से कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने (बसवराज) बोम्मई सरकार के दौरान केंद्रीय बजट में अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की थी। संसद में घोषणा किए जाने के बावजूद अब तक यह राशि आवंटित नहीं की गई है, जिससे परियोजना प्रभावित हो रही है। मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया राशि जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं। शिवकुमार ने निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की राशि के इस्तेमाल के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी नीति या नियम बनाया जाना चाहिए, जिसके तहत राज्य सरकार स्थानीय जरूरतों के आधार पर सीएसआर की राशि के इस्तेमाल का फैसला कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे एक राज्य में कारोबार करते हैं और निवेश कहीं और करते हैं। हमारी प्राथमिकताएं शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हैं। ऐसे में राज्य सरकार को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे राशि कहां और किस तरह खर्च करें।'' मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, शाह ने शिवकुमार के सुझाव से आंशिक रूप से सहमति जताई और उन्हें सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों के प्रमुखों के साथ बातचीत करने को कहा।

अमित शाह की उपस्थिति में तमिलनाडु और पुडुचेरी के हितों की रक्षा का वचन दिया है मैंने : शिवकुमार

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में वचन दिया कि प्रस्तावित मेकेदातु बांध मामले में तमिलनाडु और पुडुचेरी के हितों की रक्षा की जाएगी। दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में शामिल होने के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने पानी के बंटवारे से जुड़े मुद्दों को सौहार्द्रपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए एक अलग बैठक का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि पीने के पानी की जरूरतों के लिए पांच अरब घन फुट पानी (टीएमसी) इस्तेमाल करने के अलावा, प्रस्तावित मेकेदातु बांध में जमा बाकी पानी तमिलनाडु के लिए होगा। उन्होंने तमिलनाडु और पुडुचेरी को संबोधित करते हुए कहा, ''बांध हमारे लिए नहीं, बल्कि आपके लिए ही बनाया जायेगा।''

सूर्यास्त	सूर्योदय
21-07-2026 6:27 बजे	22-08-2026 5:59 बजे

BSE	NSE
77,537.72 (+628.04)	24,231.85 (+153.55)

सोना	चांदी
16,404 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	260,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाहिल लोगों

ये लाल किला उड़वा देंगे,
हैं कौन लोग कुछ बोलो तो।
संसद तक पर हमला करते,
हैं क्या मकसद यह खोलो तो।
आखिर किसका यह देश कहो,
कथनी करनी को तोलो तो।
जाहिल लोगों कुछ पल को ही,
अपनी औकात टटोलो तो।

बस के 'ऑटोमैटिक' दरवाजे में फंसने से सात वर्षीय बच्चे की मौत

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा जिले में एक खड़ी बस के ऑटोमैटिक दरवाजे में फंसने से सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त अभिषेक गुप्ता के अनुसार, यह दुखद घटना बुधवार शाम शहर के बाहरी इलाके में कपुराई थाना क्षेत्र स्थित एक गैराज में हुई। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दिव्येश राठवा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गैराज के पास खेल रहा दिव्येश संभवतः खड़ी बस के अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान अचानक बस का दरवाजा बंद हो गया और उसकी गर्दन उसमें फंस गई। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि गैराज में मौजूद दो लोगों ने बच्चे को बचाने के लिए बस का गेट धक्का देकर खोला, लेकिन तब तक वह बेहोश हो नीचे गिर पड़ा। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गुप्ता ने बताया कि बच्चे को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वंदे मातरम् पर कांग्रेस का रवैया उसकी 'मानसिक गुलामी' को दर्शाता है : देवेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने के फैसले को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की तथा इसे संविधान के खिलाफ और विपक्षी दल की 'मानसिक गुलामी' का परिचायक बताया। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से यह भी कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि 22 अगस्त को पुणे में होने वाला राहुल गांधी का छात्रों की गूंज' कार्यक्रम सिर्फ़ कांग्रेस नेताओं द्वारा चलाए जा रहे कॉलेजों के विद्यार्थियों तक ही सीमित रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम खुली बातचीत के बजाय एकतरफा भाषण (मोनोलॉग) जैसा होगा।

कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फ़ैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे। कांग्रेस का यह फैसला तब आया जब भाजपा ने उसके नेताओं पर पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण न गाकर उसका अपमान करने का आरोप लगाया। इस फ़ैसले के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि ऐसा फैसला संविधान के खिलाफ है, क्योंकि भारत अब ब्रिटिश शासन के अधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद के फ़ैसलों का संवैधानिक प्रभुत्व होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''और अगर हम स्वतंत्र भारत की संसद द्वारा लिए गए निर्णय का पालन नहीं करते हैं, तो हम गुलामी की परंपरा को जिंदा रखेंगे।'' भाजपा नेता फडणवीस नेता ने आरोप लगाया, ''हम हमेशा कहा करते थे कि यह मानसिक गुलामी है। इस फैसले से उन्होंने हमारे सामने अपनी मानसिक गुलामी और संविधान का विरोध, दोनों ही बातें ज़ाहिर कर दी हैं।'' विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत करने के लिए पुणे आने पर फडणवीस ने कहा, लेकिन अगर यह सभी के साथ खुली बातचीत होती तो हमें खुशी होती। मेरी जानकारी के मुताबिक, ''वह कांग्रेस नेताओं द्वारा चलाए जा रहे कॉलेजों में पंजीकृत विद्यार्थी से बातचीत करेंगे। लेकिन कोई बात नहीं; वे (विद्यार्थी) भी हमारे ही हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर, यह कार्यक्रम एक नियंत्रित माहौल में आयोजित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ टिप्पणी के आरोप में 'ट्रांसजेंडर इन्फ्लुएंसर' जानमोनी दास गिरफ्तार

कोझिकोड/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके परिवार के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में 'ट्रांसजेंडर मेकअप आर्टिस्ट' और 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' जानमोनी दास को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कोझिकोड साइबर पुलिस ने दास और सोशल मीडिया पर उक्त कथित वीडियो साझा करने वाले दो अन्य लोगों को तलब किया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि थाने में मामले में सबूत जुटाने और पूछताछ समेत अन्य प्रक्रिया जारी है। यह मामला भाजपा की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नव्या हरिदास की ओर से 27 जुलाई को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, दास ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के सिलसिले में कथित तौर पर ये टिप्पणियां की थीं। इन टिप्पणियों से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था। टिप्पणियों को लेकर विवाद खड़ा होने के बाद दास ने एक वीडियो जारी करके माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि भाषा की जानकारी नहीं होने के कारण उनसे ये टिप्पणियां हुई हैं।

'परीक्षा में शामिल होने के लिए आलाकमान की मंजूरी के बाद सीडब्ल्यूसी की बैठक में नहीं गया'

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में शामिल नहीं होने की इजाजत दी थी क्योंकि उन्हें यहां पंजाब विश्वविद्यालय में एक परीक्षा में शामिल होना था।

पार्टी की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था सीडब्ल्यूसी की बैठक बुधवार को दिल्ली में हुई थी। प्रश्नपत्र लीक के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर हुई इस लंबी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अन्य और विशेष आमंत्रित सदस्यों के अलावा कांग्रेस-शासित राज्यों के सभी चार मुख्यमंत्री शामिल हुए।

कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार का निधन

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। सफदरजंग अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। अस्पताल ने अभी उनकी मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे में आग लगाए जाने से जुड़े मामले में 17 दिसंबर 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कुमार तिहाड़ जेल में बंद थे। दिल्ली की एक अदालत ने भी दंगों के दौरान दो सिखों की हत्या से जुड़े एक अन्य मामले में फरवरी 2025 में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तीन बार लोकसभा सदस्य रहे कुमार ने बाहरी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था और वह कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। उन्होंने 2018 में दोषी ठहराए जाने के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

तरुण तेजपाल ने यौन उत्पीड़न मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली/भाषा। पत्रकार तरुण तेजपाल ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। बंबई उच्च न्यायालय के छह अगस्त के आदेश के खिलाफ अधिवक्ता आदित्य सामद्दार के जरिये अपील दायर की गई। इससे पहले, गोवा सरकार ने तहलका के पूर्व संपादक को सुनाई गई सजा बढ़ाने की मांग को लेकर शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। सरकार का कहना था कि इस मामले में उम्रकैद की सजा दी जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ अदालत द्वारा पांच साल पहले तेजपाल को बरी करने के फैसले को पलट दिया था और उन्हें (तेजपाल को) दुष्कर्म का दोषी ठहराते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

हमारे लिए वंदे मातरम् भावनात्मक विषय, भाजपा के लोग 'नकली राष्ट्रवादी' : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को वंदे मातरम' को लेकर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निशाना साधे जाने के बाद पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छात्रों तथा राम मंदिर से कथित चंदा चोरी' जैसे विषयों से ध्यान भटकाने के लिए राष्ट्र गीत को लेकर विवाद खड़े करना चाहती है, जबकि उसके (भाजपा के) 'लोग झूठे' और 'नकली' राष्ट्रवादी हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह 'ट्राइड' (परखे जा चुके) और 'टायर्ड' (थक चुके) हैं तथा अब उन्हें 'जल्द ही रिटायर' हो जाना चाहिए।

रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह और भाजपा छात्रों के मुद्दे और राम मंदिर से चंदा चोरी तथा आस्था के साथ 'धोखा' जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस उनके जाल में फंसने वाली नहीं है। कांग्रेस महासचिव ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा 1937 में वंदे मातरम् के संदर्भ में पारित प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्य विपक्षी दल उस वक्त सर्वोच्च नेताओं द्वारा किए गए फैसले का पालन करने के लिए वचनबद्ध है।

उनका कहना था, ''वंदे मातरम् पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, आचार्य नरेन्द्र देव और उस समय के कुछ अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा फैसला किया गया था। यह निर्णय रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर हुआ था।'' उनके मुताबिक, वंदे मातरम् के सिर्फ दो अंतरे गाने के निर्णय का 90 साल पुराना इतिहास है तथा नेहरू, मोराजी देसाई, इंदिरा गांधी, चंद्रशेखर, वी पी सिंह, एचडी देवगौड़ा और अटल बिहारी वाजपेयी ने भी दो ही अंतरे गाए थे।

रमेश ने इस बात पर जोर दिया, ''वंदे मातरम् हमारे के लिए कोई राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक मुद्दा है।''

शिरडी साईं बाबा पर 'आपत्तिजनक' वीडियो हटाने की शिकायत पर विचार करे केंद्र : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की शिकायत अपील समिति (जीएसी) को निर्देश दिया कि वह शिरडी साईं बाबा को निशाना बनाने वाले कथित रूप से भड़काऊ और आपत्तिजनक यूट्यूब वीडियो को हटाने की मांग वाली शिकायत पर विचार करे। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) और गूगल को नोटिस जारी कर इस संबंध में नया आवेदन दाखिल करने वाले 'श्री साईबाबा संस्थान न्यास, शिरडी' की याचिका पर जवाब मांगा है।

इससे पहले उच्च न्यायालय ने जीएसी को सात दिनों के भीतर आपत्तिजनक वीडियो हटाने के मुद्दे पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के वकील ने अदालत को सूचित किया कि जीएसी ने 13 अगस्त को ही एक आदेश पारित कर ऐसे वीडियो और लेखों को हटाने का निर्देश दे दिया है। हालांकि, याचिकाकर्ता न्यास का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद दुबे और अधिवक्ता प्राची दुबे ने दलील दी कि आपत्तिजनक सामग्री को पूरी तरह से नहीं हटाया गया है और कुछ वीडियो तथा लेख अब भी इंटरनेट पर मौजूद हैं।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केरलम के मुख्यमंत्री सतीशन ने मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/चेन्नई/भाषा। केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को चेन्नई में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा उठाया और स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्रों में सहकारी संघवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। सतीशन द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की गई एक 'पोस्ट' के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बैठक में राज्य से जुड़े जिन प्रमुख मुद्दों को उठाया, उनमें मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा भी शामिल है।

सतीशन ने कहा कि केरलम नए मुल्लापेरियार बांध से तमिलनाडु को उसके हिस्से का पूरा पानी देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नए बांध के डिजाइन, स्थान और निर्माण का जिम्मा तमिलनाडु संभालेगा जबकि इसका पूरा खर्च केरलम वहन करेगा। तमिलनाडु लगातार कहता रहा है कि पुराना बांध सुरक्षित है, जबकि केरलम सरकार का कहना है कि यह असुरक्षित है और जलस्तर अधिक होने की स्थिति में यदि बांध टूटता है तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की जान को खतरा हो सकता है। केरलम ने पुराने बांध का उपयोग बंद किए जाने की मांग की है। सतीशन ने अपनी सरकार की 'मिशन समुद्र' परियोजना, खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में हाल में किए गए संशोधनों को वापस लेने की जरूरत तथा सदन की सदस्य संख्या बढ़ाए बिना संसद में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करने की आवश्यकता का मामला भी उठाया।

व्यक्तियों का 'शुद्धिकरण' पाप, किताबों का संघीकरण शाप है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा 11वीं और 12वीं कक्षा की राजनीतिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तक तैयार करने वाली पुनर्गठित टीम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े चार सदस्यों को शामिल किए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि किताबों का संघीकरण किया जा रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सभास्थल के 'शुद्धिकरण' का हवाला देते हुए यह भी कहा कि व्यक्तियों का शुद्धिकरण पाप है, किताबों का संघीकरण शाप है।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि 'नागपुर कोटरी फॉर एजुकेशनल रिराइटिंग एंड ट्रबल-मेकिंग' (एनसीआरटी) की टोली द्वारा किताबों का पुनर्लेखन और संस्थाओं का 'संघीकरण' किया जा रहा है। एनसीईआरटी ने कक्षा 11वीं और 12वीं की राजनीति शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों के लिए पाठ्यपुस्तक तैयार करने वाली टीम का पुनर्गठन किया है। इसे सांस्कृतिक जड़ों, भारतीय ज्ञान परंपरा और समावेशिता को पाठ्यक्रम में शामिल करने का दायित्व सौंपा गया है। टीम में कम से कम चार सदस्य ऐसे हैं, जिनके आरएसएस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध बताए जा रहे हैं। टीम को कक्षा 11वीं की पाठ्यपुस्तक नवंबर तक और कक्षा 12वीं की पुस्तक अगले वर्ष जुलाई तक तैयार करने को कहा गया है। इस मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में रमेश ने कहा कि राहुल गांधी ने कोटा में 17 जून को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान भारतीय शिक्षा व्यवस्था की तीन बुराइयों 'निजीकरण, केंद्रीकरण और संघीकरण' का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक लेख में कहा था कि शिक्षा व्यवस्था तीन 'सी' 'केंद्रीकरण, व्यावसायीकरण और सांप्रदायिकीकरण' से प्रभावित है। रमेश ने कहा, ''एनसीईआरटी ने जो किया है, वह पिछले 12 वर्षों से हो रहा है, चाहे शिक्षा मंत्री के रूप में स्मृति ईरानी हों या प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल निशंक', धर्मेंद्र प्रधान व प्रह्लाद जोशी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इन सबका सूत्रधार आरएसएस है। रमेश ने कहा, ''एक तरफ वे व्यक्तियों का 'शुद्धिकरण' कर रहे हैं, जो पाप है और दूसरी तरफ पाठ्यपुस्तकों का 'संघीकरण' कर रहे हैं, जो शाप है।''

'फासीवादी शासन' का अंत करीब : अभिनेता प्रकाश राज

त्रिशूर/भाषा। अभिनेता प्रकाश राज ने बृहस्पतिवार को कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ युवाओं के विरोध-प्रदर्शन के बाद देश में 'फासीवादी शासन' का अंत करीब है। प्रकाश राज ने इसके साथ ही युवाओं से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि ऐसी ताकतें दोबारा सत्ता में न लौटें। राज यहां डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के राज्य स्तरीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। जंगल में जानवरों द्वारा एक-दूसरे से संवाद किए जाने का उदाहरण देते हुए राज ने कहा कि अब युवाओं ने शिकारी' को पहचान लिया है। राज ने कहा, 'इस देश के युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा है, अब हम आपको पहचान गए हैं, आपके पेपर लीक करने को भी समझ गए हैं।' पहली बार युवाओं ने उनके अहंकार पर चोट की है।

उन्होंने कहा कि युवाओं ने सरकार से साफ कह दिया है कि वे डरे हुए नहीं हैं और उनकी राजनीति को समझते हैं। उन्होंने कहा, ''पहली बार देश के नागरिकों और युवाओं ने कहा है, हम आपसे नहीं डरते।' हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी, जो यह बात कह सके। राज ने कहा कि किसानों, मजदूरों और सरकारी कर्मचारियों समेत कई वर्गों ने पहले भी विरोध प्रदर्शन किए हैं, लेकिन वे आगे नहीं बढ़ सके, क्योंकि उन्हें अपनी नौकरी और जमीन खोने का डर था। उन्होंने कहा, लेकिन इन युवाओं के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन को याद करते हुए राज ने कहा कि करीब एक लाख लोग वहां जुटे थे, जबकि चार लाख अन्य लोग राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर उतर आए थे। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि युवाओं ने हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया, बल्कि सवाल पूछना चुना।

मां की आत्मकथा पर राहुल ने कहा : पापा ऊपर से अपनी खूबसूरत सोनिया को गर्व से देख रहे होंगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी की आत्मकथा को लेकर बृहस्पतिवार कहा कि पापा ऊपर से अपनी खूबसूरत सोनिया को गर्व से देख रहे होंगे। सोनिया गांधी की आत्मकथा इस साल नवंबर में बाजार में आने वाली है। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें गर्व है कि उनकी मां की कहानी उन करोड़ों लोगों तक पहुंचेगी, जो उनसे प्यार करते हैं। उनका कहना है कि वह जानते हैं कि सोनिया जैसी बेहद निजी जीवन जीने वाली शख्सियत के लिए दुनिया के सामने अपनी खूबसूरत कहानी रखना कितना कठिन रहा होगा।

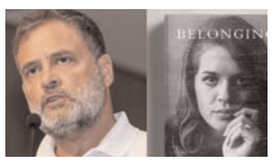

सोनिया गांधी नवंबर में अपनी आत्मकथा लेकर आएंगी, जिसमें वह भारत के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक परिवारों में से एक में विवाह के बाद अपने जीवन, पति राजीव गांधी की हत्या के उस दुखद दौर और 2004 में प्रधानमंत्री पद अस्वीकार करने सहित कई निजी अनुभव साझा करेंगी। अमेरिकी प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस की इकाई 'अल्फ्रेड ए. नॉफ' ने मंगलवार को घोषणा की कि सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को प्रकाशित होगी। हालांकि, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने भारत में पुस्तक के विमोचन की तारीख की अभी पुष्टि नहीं की है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मां, मैंने आपको और पापा को आखिरी बार 35 साल से अधिक समय पहले साथ देखा था। जिस दिन पापा हमें छोड़कर गए, उस दिन से मैंने आपको जीवन की हर चुनौती का सामना असीम साहस और गरिमा के साथ करते देखा है।''

उन्होंने कहा, ''केवल प्रियंका और मैं ही वास्तव में जानते हैं कि आपने किन परिस्थितियों का सामना किया और पापा के जाने के बाद आपका जीवन कितना कठिन था।'' राहुल गांधी ने कहा, ''मुझे खुशी है और गर्व भी कि आपकी कहानी-बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव'-आखिरकार उन लाखों लोगों द्वारा पढ़ी जाएगी, जो आपसे प्यार करते हैं। मैं जानता हूं कि आप जैसी निजी जीवन को महत्व देने वाली शख्सियत के लिए दुनिया के सामने अपनी खूबसूरत कहानी रखना कितना कठिन था।''

उन्होंने कहा कि ''आज, अपने पिता राजीव गांधी के जन्मदिन पर, वह कल्पना कर सकते हैं कि पापा ऊपर से मुस्कुराते हुए अपनी खूबसूरत सोनिया को गर्व से देख रहे होंगे।'' अल्फ्रेड ए. नॉफ की वेबसाइट के अनुसार, आत्मकथा की शुरुआत इंग्लैंड के कैम्ब्रिज से होती है, जहां 1965 में 19 वर्षीय छात्रा सोनिया मायनो को पहली नजर में उस खूबसूरत युवक से मोहब्बत हो जाती है'' जिससे आगे चलकर उनका विवाह होता है।

सहजीवन साथियों का संबंध शादी जैसा ही है, माता-पिता दखल नहीं दे सकते : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि सहजीवन साथी (लिव इन रिलेशनशिप) के रूप में वयस्कों के बीच संबंध शादी जैसा ही है और न तो माता-पिता, न ही दोस्त उनकी पसंद में दखल दे सकते हैं। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने सहजीवन साथी के रूप में रह रहे एक युवक को लड़की के परिवार की ओर से मिल रही धमकियों के बाद उसे पुलिस सुरक्षा प्रदान की। अदालत ने कहा कि वयस्क होने के नाते उन्हें अपनी पसंद के साथी के चयन और उसके साथ रहने का ''पूरा अधिकार'' है।

ठग सुकेश ने अरविंद केजरीवाल को पत्र लिख 'तीन और बड़े घोटालों' का पर्दाफाश करने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने बृहस्पतिवार को जेल से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को एक पत्र लिखकर ''तीन और बड़े घोटालों'' का खुलासा करने की धमकी दी है। पत्र में कहा गया है, ''प्रिय केजरीवाल जी, सत्येंद्र जी और प्रॉक्सी पार्टी', आपके भ्रष्टाचारों को उजागर करने के लिए एक और कदम। सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 2021-22 में किए गए खुलासे सही साबित हुए हैं। अब 'शराब नीति' मामले के बाद अगला नंबर 'जल बोर्ड' का है। अभी तीन और मामले बाकी हैं, और अब ये उजागर होंगे।'' इसमें कहा गया है, आपके 'तीन और घोटालों' और 'भ्रष्टाचार' का तीन अन्य महत्वपूर्ण विभागों में जल्द ही खुलासा किया जाएगा, चिंता मत कीजिए। जल्द ही 'आप'-'एनीटाइम, ऑलवेज पार्टी ऑफ स्कैम'-की पहचान घोटालों की पार्टी के रूप में और मजबूत होगी।''

पत्र में कहा गया है, पंजाब के लोगों को फिर से बेवकूफ बनाने की बात भूल जाइए; जनता आप सभी को करारा सबक सिखाने वाली है। जैसा दिल्ली में हुआ, वैसा ही पंजाब में भी होगा। पंजाब की जनता आपके अहंकार और आपकी घोटालेबाज पार्टी को इससे भी जोरदार तरीके से नकार देगी। इसमें कहा गया है कि केजरीवाल के प्रॉक्सी द्वारा देश के युवाओं या 'जेन जी' को भड़काने की चाल काम नहीं करेगी और सुकेश किसी भी अन्य चीज से पहले पूर्व मुख्यमंत्री का पर्दाफाश करेगा।

पत्र में कहा गया है, ''मैं आपको एक संकेत देकर कुछ स्पष्ट कर दूं-आप और आपके प्रॉक्सी संस्थापक'। उम्मीद है, आपको 2015 और 2016 में मेरे साथ अपने जुड़ाव की याद होगी। हो सकता है कि आप लोगों को डेलुलुलु' (भ्रम) हो, लेकिन मुझे सब याद है। मैं जल्द ही आपको चौंकाऊंगा।''

शाह ने दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की, परिसीमन का मुद्दा भी उठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को चेन्नई के निकट कोवलम में दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में चर्चा का नेतृत्व किया। बैठक में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने परिसीमन का मुद्दा उठाया, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के बीच 'महत्वपूर्ण बातचीत' हुई। कावेरी नदी जल बंटवारे के मुद्दे और मेकेदातु बांध विवाद की पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में कर्नाटक के अपने समकक्ष शिवकुमार के साथ बातचीत की। दोनों मुख्यमंत्री बैठक में एक-दूसरे के बगल में बैठे थे।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरलम, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप शामिल हैं। बैठक में केरलम के मुख्यमंत्री सतीशन सहित अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में अपने संबोधन में शिवकुमार ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद से एक प्रस्ताव पारित करने की मांग की, जिसमें केंद्र सरकार से 1971 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाए रखने, अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बरकरार रखने और इन्हीं सीटों के भीतर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने का आग्रह किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण में दक्षिणी राज्यों की

सफलता उनकी राजनीतिक आवाज कम करने का कारण नहीं बननी चाहिए।

शिवकुमार ने कहा, ''हम इस आश्वासन का स्वागत करते हैं कि किसी भी दक्षिणी राज्य की सीट कम नहीं होगी। लेकिन प्रतिनिधित्व केवल संख्या का विषय नहीं है। यह प्रभाव और आवाज से जुड़ा मुद्दा है।'' उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों ने देश के आह्वान पर जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य को अनुशासन और सफलता के साथ पूरा किया है और परिसीमन प्रक्रिया में इस उपलब्धि के लिए उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 की जनसंख्या को आधार माना जाना चाहिए और लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यहां मौजूद सभी मुख्यमंत्री मेरी बात का समर्थन करेंगे। 1971 के आधार का सम्मान किया जाए और हमारी आवाज की ताकत सुरक्षित रखी जाए।'' शिवकुमार ने परिसीमन को महिला आरक्षण से भी जोड़ते हुए कहा कि नए परिसीमन के कारण महिला आरक्षण लागू करने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने परिषद से अगले 25 वर्षों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 पर स्थिर रखने और इन्हीं सीटों में महिलाओं को आरक्षण देने के लिए प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने मेकेदातु परियोजना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि यह केवल उनके राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि तमिलनाडु के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''बैठक के लिए आते समय आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मुझसे कहा कि कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद का समाधान जरूरी है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मेकेदातु परियोजना से पानी की हर बूंद तमिलनाडु और पुडुचेरी के किसानों की मदद करेगी। हमारी मदद करें ताकि हम आपकी मदद कर सकें।'' तमिलनाडु सरकार कावेरी नदी पर प्रस्तावित संतुलन जलाशय परियोजना का विरोध करती रही है। उसका कहना है कि इसे लागू करने से राज्य के हित प्रभावित होंगे।

'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का कांग्रेस का फैसला तुष्टीकरण की राजनीति है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का पार्टी का फैसला न केवल ''राष्ट्रविरोधी'' है बल्कि कानून की ''खुली अवहेलना और वोट बैंक'' के लिए तुष्टीकरण की राजनीति भी है। शाह ने राष्ट्रगीत को पूरा गाने के बजाय केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के फैसले का उल्लेख करते हुए देश के विभाजन के इतिहास का जिक्र किया और कहा कि 'वंदे मातरम' के टुकड़े करने के कारण देश को इसके परिणाम भुगतने पड़े। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस कार्यसमिति ने 'वंदे मातरम' के पूर्ण गान की जगह केवल दो अंतरे गाने का जो फैसला किया है, वह न केवल देश विरोधी है बल्कि संसद के बनाए कानून की खुली अवहेलना भी है।''

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने ही 1937 में तुष्टीकरण के लिए 'वंदे मातरम' के दो टुकड़े किए।'' उन्होंने कहा, वहीं से दो-राष्ट्र सिद्धांत को ताकत मिली और देश का विभाजन हुआ। 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष पर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी (के नेतृत्व वाली) सरकार ने यह ऐतिहासिक गलती सुधारी और पूर्ण गान को कानूनी स्वरूप दिया लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस फिर उसी वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण के रास्ते पर है।'' उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' के टुकड़े करने की गलती एक बार हो चुकी है और देश उसके परिणाम भुगत चुका है। उन्होंने कहा, देशवासियों से यह अपील है कि कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें। कांग्रेस ने बुधवार को कहा था कि वह वंदे मातरम' को लेकर 1937 में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और उस समय के अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा किए गए फैसले का पूरी तरह पालन करेगी तथा इसी के अनुरूप पार्टी कार्यकर्ता राष्ट्रगीत के सिर्फ दो अंतरे ही गाएंगे। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में इसे लेकर चर्चा हुई और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 1937 के सीडब्ल्यूसी के उस प्रस्ताव के कुछ अंश भी पढ़े जिसमें वंदे मातरम् के दो अंतरों के गायन का निर्णय लिया गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस द्वारा अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाए जाने के फैसले को लेकर विपक्षी दल पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस वोट के लिए 'नई मुस्लिम लीग'' बन गई है।

तमिलनाडु में सहकारी क्षेत्र के लिए की गई 39 पहल की घोषणा

चेन्नई। तमिलनाडु के सहकारिता मंत्री वी. गांधीराज ने महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और सहकारी क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए 39 पहल की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इनमें 'सिंगापेंगल उद्यमिता ऋण योजना' के लिए 7,015 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है। मंत्री ने अनुदान मांग पेश करते हुए विधानसभा में कहा कि सिंगापेंगल उद्यमिता ऋण योजना को सहकारी समितियों के माध्यम से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसानों को सहायता देने के मकसद से सरकार ने प्राथमिकता वाले क्षेत्र के ग्रामीण कारोबार के लिए 5,000 करोड़ रुपये का ऋण का प्रावधान किया है। इन ऋण पर ब्याज दर नौ प्रतिशत होगी। उपज गिरवी ऋण के लिए आवंटन बढ़ाकर 300 करोड़ रुपये किया गया है।

गांधीराज ने कहा कि सरकार ने 50 करोड़ रुपये के दीर्घकालिक कृषि ऋण को फिर से शुरू किया है। साथ ही, महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि अपशिष्ट से वर्मी कम्पोस्ट जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने में मदद के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सहकारी उत्पादों की बाजार में पहुंच मजबूत करने और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने के लिए राज्यभर में बेचे जाने वाले ऐसे सभी उत्पादों पर अब 'वेट्री' नाम का साझा ब्रांड चिह्न होगा।

मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सहकारी विपणन महासंघ बीज और उर्वरक की बिक्री बढ़ाकर 2,500 करोड़ रुपये करेगा। महासंघ स्वयं सहायता समूहों से सीधे जैव-उर्वरक खरीदेगा। उन्होंने कहा कि धान, हल्दी, मक्का और नारियल जैसी प्रमुख फसलों की खरीद में बिचौलियों को हटाने के लिए 50 सहकारी विपणन समितियों के जरिये 50 करोड़ रुपये की कृषि-उत्पाद खरीद की जाएगी।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद बैठक : तमिलनाडु ने लोकसभा सीटें 543 पर बनाए रखने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कहा कि लोकसभा सीटों की संख्या राष्ट्रीय स्तर पर 543 और राज्य में 39 पर बनाए रखने वाली मौजूदा व्यवस्था जारी रहनी चाहिए।

राज्य सरकार में मंत्री आर निर्मल कुमार ने यह जानकारी दी। चेन्नई के पास कोवलम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक के बाद कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि विजय ने शाह को परिसीमन को लेकर राज्य की चिंताओं से अवगत कराया और इस बात पर जोर दिया कि लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या बरकरार रखी जानी चाहिए।

यह पूछे जाने पर कि क्या परिसीमन को लेकर राज्य सरकार के रुख में कोई बदलाव आया है, कुमार ने कहा कि संसदीय सीटों के परिसीमन को लेकर तमिलनाडु सरकार का पुराना रुख बरकरार है। उन्होंने कहा, हमारा रुख अब भी वही है। हम लोकसभा सीटों की संख्या राष्ट्रीय स्तर पर 543 और तमिलनाडु में 39 पर स्थिर रखने की मौजूदा व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में दक्षिणी राज्यों के लिए विकास का खाका प्रस्तुत किया

चेन्नई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में दक्षिणी राज्यों के समग्र विकास का खाका पेश किया और क्षेत्रीय बुलेट ट्रेन गलियारे समेत कई प्रस्ताव रखे।

नायडू ने केंद्र और राज्यों के बीच अधिक सहयोग एवं समन्वय का भी आह्वान किया। तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों तथा पुडुचेरी के उपराज्यपाल की मौजूदगी वाली बैठक को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि दक्षिणी राज्यों को विश्वास और आपसी सहयोग के जरिए अंतरराज्यीय मुद्दों का समाधान करना चाहिए। दक्षिणी राज्यों का विकास केवल सहयोग और समन्वय के जरिए ही हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कुप्पम के रास्ते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु को जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन गलियारे के साथ अमरावती, बेंगलूरु और चेन्नई को जोड़ने वाले परिवहन नेटवर्क का प्रस्ताव रखा। नायडू ने क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए साझा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क एवं दक्षिणी पावर ग्रिड को राष्ट्रीय ग्रिड के साथ पूरी तरह एकीकृत करने का सुझाव दिया। उन्होंने दक्षिणी राज्यों में विश्वविद्यालयों व कौशल विकास संस्थानों के साथ एक संयुक्त संघ बनाने तथा आपदाओं के दौरान संसाधनों को साझा करने के लिए एक पारस्परिक सहायता बल गठित करने का भी प्रस्ताव रखा।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक / सं.व. दू.उ. प.रे., जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिग्नलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** जोधपुर मंडल के डेगाना-मेड़ता रोड- साथिन (DNA-MTD-SWF), फुलेरा-डेगाना (FL-DNA), मेड़ता रोड-बीकानेर (MTD-BKN) और मकराना - परबतसर (MKN-PBC) रेल खंडों में कई स्पैन वाले पुलों को आरसीसी बॉक्स पुल (RCC Box Bridge) द्वारा बदले जाने के संबंध में सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) कार्य, **कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 2,84,95,580/- (RO), **ई-निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता:** वरि. मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर, **बयाना राशि (Bid Security):** रुपये 5,69,900.00, **ई-निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय:** 11.09.2026 को 15.00 बजे तक तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस पर 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी, **वेबसाईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें एवं खरीद की जा सकें:** www.ireps.gov.in **नोटः-** यह एक ई-टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई-टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वेबसाईट पर टेण्डर डाले। **1211-PS/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

अशोक लेलैंड ने ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान स्थापित करने के लिए हरियाणा सरकार से साझेदारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड ने अंबाला में ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईडीटीआर) स्थापित करने के लिए हरियाणा सरकार के साथ साझेदारी की है।

कंपनी ने ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान स्थापित करने के लिए हरियाणा सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अशोक लेलैंड की ओर से जारी बयान के अनुसार,

यह पेशेवर चालक प्रशिक्षण को मजबूत करने, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और भारत के बढ़ते परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कार्यबल तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी का करीब 13 एकड़ में फैला यह संस्थान हरियाणा सरकार और अशोक लेलैंड के संयुक्त प्रयास से विकसित किया जाएगा। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा, एक कुशल और जिम्मेदार चालक सुरक्षित एवं कुशल परिवहन व्यवस्था का केंद्र होता है। अशोक लेलैंड में हमने सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार के रूप में पेशेवर चालक प्रशिक्षण में लगातार निवेश किया है। अंबाला में इस आधुनिक आईडीटीआर की स्थापना के लिए हरियाणा सरकार के साथ हमारी साझेदारी इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान में हर साल 2,000 नए और 20,000 मौजूदा चालकों को प्रशिक्षण देने की क्षमता होगी।

सार्वजनिक सूचना

मेसर्स एम्पलस सन बीट प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय लेवल-7, एमार, द पाम स्क्वायर, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर-66, गुरुग्राम – **122102** हरियाणा, भारत में है, भारत सरकार के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत उन सभी शक्तियों को प्राप्त करने हेतु आवेदन करने का इरादा रखती है, जो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास टेलीग्राफ लाइनों और खंभों को लगाने के संबंध में होती हैं। यह शक्तियाँ बिजली के पारेषण के लिए बिजली लाइनों या विद्युत संयंत्र स्थापित करने, या कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से मांगी जा रही हैं। कंपनी निम्नलिखित पारेषण योजना के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, फिटिंग और अन्य कार्यों के साथ-साथ कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव का कार्य करेगी:

पारेषण योजना का नामः मेसर्स एम्पलस सन बीट प्राइवेट लिमिटेड की 80 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना, करूर, तिरुप्पुर और डिंडीगुल, तमिलनाडु के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु पारेषण प्रणाली।

योजना के अंतर्गत आने वाली पारेषण लाइनः मेसर्स एम्पलस सन बीट प्राइवेट लिमिटेड का जनरेशन पूलिंग स्टेशन (जनरेशन स्विचयार्ड, कन्नीवाड़ी गाँव, धारापुरम तालुक, तिरुप्पुर जिला, तमिलनाडु में स्थित) - मेसर्स फर्स्ट एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड का जनरेशन पूलिंग स्टेशन (जनरेशन स्विचयार्ड, कन्नीवाड़ी गाँव, धारापुरम तालुक, तिरुप्पुर जिला, तमिलनाडु में स्थित) **D/c** टावरों पर **230 kV S/c** लाइन की लंबाई लगभग **4.5** किमी है,

उपरोक्त योजना के अंतर्गत आने वाली पारेषण लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों के बीच से, ऊपर से,आसपास से होकर गुजरेगीः

गांवों के नाम	तहसील/तालुका	जिला	राज्य
एडक्कलपडी (एडाकल्पडी), नोचीवलासु, ओलाप्पलैयम, कोट्टप्पमपालयम, वनजीवलासु, कोट्टारपट्टी पुदुर, कोट्टारपट्टी, मन्ननकट्टुपति, पेरुमलकवुंदनवलासु, सांबक्कथुपति, कडक्कोट्टई, कन्निवडी, सम्मंदुरईपडी, वेलंदुरई, सेनापतिपलायम (सेनापतिपलायम), एराचापडी, मोंगनल्लमपलायम, कुलक्कट्टुपति, करियानचेट्टिवलासु, एरावनायक्कनपट्टी, शंकरनकट्टुपुदुर, सेल्लीपलैयमपुदुर, नोचिवलासु पिरिवु, पुंजैतलैयुर(पुंजैथलैयुर, पुंजैथलायुर), पुंजैत्तलैयुर पिरिवु (पुंजैथलायुर पिरिवु), संथापदी, कंथासामी पलायम	धारापुरम	तिरुप्पुर	तमिलनाडु
कोट्टप्पम पलायम, संथापडी	अरवाकुरिची	करूर	तमिलनाडु

प्रस्तावित मार्ग संरेखण की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली के संबंध में अपने आपत्ति/ सुझाव लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

नामः इलक्कुमी कंथन सी, पदनाम/ सीनियर मैनेजर,मेसर्स एम्पलस सन बीट प्राइवेट लिमिटेड, लेवल-7, एमार, द पाम स्क्वायर, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर-66, गुरुग्राम – 122102, हरियाणा / ईमेल: **ilakkumi@gentari.co.in,** फोन: 919994605943

एंथ्रोपिक क्लाउड इनोवेशन लैब का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। होसुर स्थित जीडब्ल्यूसी डाटा एआई परिसर में क्लाउड पर आधारित एंटरप्राइज एजेंटिक एआई के निर्माण और तैनाती के लिए समर्पित एंथ्रोपिक क्लाउड इनोवेशन लैब का उद्घाटन एंथ्रोपिक की भारत की प्रबंध निदेशक इरिना घोष और इसरो के पूर्व निदेशक और तमिलनाडु सरकार की स्कूल पाठ्यक्रम डिजाइन समिति के अध्यक्ष डॉ. माइलस्वामी अन्नादुरई ने किया। यह प्रयोगशाला राज्य में अपनी

तरह की पहली समर्पित सुविधा है।

क्लाउड इनोवेशन लैब उद्यमों और सरकारी विभागों को एंथ्रोपिक के क्लाउड मॉडल पर आधारित एजेंटिक एआई समाधानों का प्रोटोटाइप बनाने, विकसित करने और तैनात करने के लिए इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है, जिसमें सेवा स्वचालन, बुद्धिमत्ता और वर्कफ़्लो का आधुनिकीकरण शामिल हैं। उद्घाटन अवसर पर जीडब्ल्यूसी डाटा एआई के संस्थापक एवं मुख्यकार्यकारी अधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि यह क्लाउड सक्षमीकरण सत्रों और ग्राहक एवं भागीदार इंजीनियरिंग टीमों के साथ सह-नवाचार गतिविधियों का आयोजन करेगी इसके साथ ही मुख्य व्यावसायिक समस्याओं पर नवाचार करते हुए क्लाउड का उपयोग करके विभिन्न क्षेत्रों के ग्राहकों को समाधान प्रस्तुत करेंगी।

यूएसएचबीसी द्वारा पोषण सेमिनार का आयोजन

चेन्नई। यूएस हाईबुश ब्लूबेरी काउंसिल (यूएसएचबीसी) द्वारा चेन्नई में पोषण संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सौ से अधिक आहार विशेषज्ञों, स्वास्थ्य पेशेवरों, खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं,सहित अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी का आयोजन भारत में विज्ञान आधारित पोषण संबंधी जानकारी और ब्लूबेरी के व्यावहारिक अनुप्रयोगों में बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तमिलनाडु सरकार के प्रशिक्षण महानिदेशक और अन्ना इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक आईएएस डॉ. जे. राधाकृष्णन थे अपने उद्बोधन में उन्होंने विश्वसनीय पोषण शिक्षा के महत्व और पेशेवरों एवं संस्थानों की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला कि वे वैज्ञानिक जानकारी को सटीक, व्यावहारिक और उपभोक्ताओं के लिए सुगम तरीके से संप्रेषित करें। उनके विचारों ने संगोष्ठी में जन स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण जोड़ा और भोजन, पोषण और स्वस्थ आहार संबंधी प्रथाओं के बारे में साक्ष्य-आधारित संचार की आवश्यकता को बल मिला। इस अवसर पर यूएस हाईबुश ब्लूबेरी काउंसिल के भारतीय प्रतिनिधि राज कपूर ने वैज्ञानिक शिक्षा, अनुसंधान संचार और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से भारत में पोषण विशेषज्ञों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, शेफ, खाद्य निर्माताओं और अन्य हितधारकों को शामिल करने के लिए यूएसएचबीसी के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य उभरते पोषण विज्ञान और रोजमर्रा के भोजन विकल्पों के बीच एक सार्थक सेतु बनाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जिम्मेदारी से संप्रेषित की जाए। इस सेमिनार का मुख्य आकर्षण अनुसंधान से व्यवहार तक शीर्षक से स्वास्थ्य विशेषज्ञों की पैनल चर्चा थी जिसमें भारतीय आहार में ब्लूबेरी को एकीकृत करना था।

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्री ट्रैकिंग एवं कमान नेटवर्क (ISTRAC),
निर्माण एवं रखरखाव समूह (CMG)
पीन्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलुरु-560 058.

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

समूह प्रमुख, ISTRAC, इसरो, पीन्या, बेंगलुरु-560 058 (फ़ोन नं. 080-28094541, 4185, 4144) की ओर से, उपर्युक्त श्रेणी के ठेकेदारों से एनआईटी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन, मुहरबंद मद दर ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम	ISTRAC, बेंगलुरु स्थित केंद्रीय ब्लॉक, SCC परिसर में VEDHAS, SDG विकास प्रयोगशाला में UPS वितरण पैनलों का प्रतिस्थापन तथा MAR सुविधा प्रयोगशाला के लिए नए UPS वितरण पैनल उपलब्ध कराना।	ISTRAC, बेंगलुरु स्थित केंद्रीय ब्लॉक, SCC परिसर में सर्वर कक्ष हेतु UPS वितरण पैनल, केबल, अर्थिंग तथा अन्य विद्युत कार्य उपलब्ध कराना।	ISTRAC, बेंगलुरु स्थित केंद्रीय ब्लॉक, SCC परिसर में कंप्यूटर सर्वर कक्ष तथा VEDHAS सर्वर कक्ष के लिए HVAC LT पैनल उपलब्ध कराना।	DOS हाउसिंग कॉलोनी, अंतरिक्ष अपार्टमेंट, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु में सिविल एवं PH प्रणालियों के परिचालन एवं रखरखाव हेतु वार्षिक सेवा अनुबंध।
ई-निविदा सूचना	ISTRAC/CMG/E/MAINT/ E-Tender-69/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026	ISTRAC/CMG/E/MAINT/ E-Tender-70/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026	ISTRAC/CMG/E/MAINT/ E-Tender-71/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026	ISTRAC/CMG/MAINT/C/ E-Tender-72/2026-2027 दिनांक: 20.08.2026
निविदा के लिए अनुमानित लागत (लाख रुपये में)	रु. 23.95 लाख	रु. 23.96 लाख	रु. 20.94 लाख	रु. 8.53 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदाएँ			
कार्य आदेश जारी होने की तारीख के 15वें दिन से पूर्ण करने की समयावधि (माहों में)	चार (04) माह	तीन (03) माह	चार (04) माह	12 माह (समान शर्तों एवं परिस्थितियों के साथ अनुबंध को 2 वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित करने का प्रावधान)
निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि	21.08.2026 को 16:00 बजे से 05.09.2026 को 16:00 बजे तक			21.08.2026 को 14:30 बजे से 31.08.2026 को 16:30 बजे तक
बिड स्पष्टीकरण	22.08.2026 को 11:00 बजे से 06.09.2026 को 16:00 बजे तक			21.08.2026 को 15:30 बजे से 01.09.2026 को 16:30 बजे तक
बिड स्पष्टीकरण हेतु अंतिम तारीख एवं समय	07.09.2026 को 16:00 बजे तक			02.09.2026 को 16:30 बजे तक
निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तारीख एवं समय	08.09.2026 को 16:00 बजे तक			03.09.2026 को 14:30 बजे तक
निविदाएं खोलने की देय तारीख एवं समय	10.09.2026 को 11:00 बजे के बाद			04.09.2026 को 11:30 बजे के बाद
अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD)	रु. 47,900.00	रु. 47,920.00	रु. 41,880.00	रु. 17,060.00

पात्रता मानदंड तथा अन्य विवरणों के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) निविदा आमंत्रण सूचना (NIT) देखें: **https://www.isro.gov.in/Tenders.html** पर तथा निविदा दस्तावेज नि:शुल्क देखें **https://www.tenderwizard.com/isro**

Sd/- समूह प्रमुख, CMG

कांग्रेस विधायकों का विधानसभा के बाहर धरना, कार्यवाही में शामिल नहीं हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को यहां शुरू हुआ जिसमें मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने भाग नहीं लिया। कांग्रेस विधायकों ने राज्य के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे को लेकर विधानसभा परिसर के बाहर धरना दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्षी सदस्यों की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई और उनसे कार्यवाही में हिस्सा लेने की अपील की। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और विधायी कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने भी कार्यवाही में भाग नहीं लेने के लिए कांग्रेस विधायकों की आलोचना की।

कुछ विधायी काम निपटाने व शोकाभिव्यक्ति के बाद कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले कांग्रेस विधायक बृहस्पतिवार की सुबह पोद्दार मूक-बधिर स्कूल पहुंचे थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश व मीडिया कवरेज पर कथित प्रतिबंध का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनता और मीडिया को सरकारी स्कूलों की खराब हालत को उजागर करने से रोकने की कोशिश कर रही है। जूली ने कहा कि इस आदेश को वापस लिया जाए। कांग्रेस नेताओं ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे के भी मांग की।

बाद में ये विधायक जूली की अगुवाई में पोद्दार स्कूल से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा के मुख्य दरवाजे तक पहुंचे। जब विधायकों ने समूह में विधानसभा में जाने की कोशिश की तो पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। ये विधायक विधानसभा

के बाहर धरने पर बैठ गए।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों के परिसर में प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना 'बाहरी लोगों' के प्रवेश पर रोक लगा दी है। साथ ही लिखित मंजूरी के बिना स्कूल की गतिविधियों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी पर भी रोक लगा दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने हाल ही में घोषणा की थी कि उसकी टीम राज्य के उन स्कूलों का दौरा करेगी जिनकी हालत 'ठीक नहीं है'। इसके बाद ही राज्य के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने रोक संबंधी यह आदेश निकाला।

हालांकि, शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि इस आदेश से आगंतुकों पर पूरी तरह कोई रोक नहीं है। आज के धरना स्थल पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि विधायकों को नियमित दरवाजे से अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है तथा दरवाजे पर ताला लगा दिया गया है। डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर तानाशाही वाला रवैया अपनाने का आरोप लगाया और स्कूलों की हालत दिखाने पर लगाई गई रोक पर सवाल उठाए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि विधानसभा के गेट नंबर छह पर ताला इसलिए लगाया गया था ताकि कांग्रेस विधायक शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार, शिक्षा मंत्री की कथित विफलता, कथित कृषि घोटाले और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कमियों जैसे मुद्दों को न उठा सकें। उन्होंने कहा,'सवालों से डरती, जवाबदेही से भागती...ये भाजपा की कैसी भगोड़ी सरकार है जो लोकतंत्र पर ताला लगाती है? विधायकों को सदन में प्रवेश से रोकना और लोकतंत्र के मंदिर पर ताला लगाना, भाजपा सरकार द्वारा सीधे-सीधे लोकतंत्र की हत्या करना है।'

नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि विधानसभा सुचारु रूप से चले, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि विधायकों को उस दरवाजे से प्रवेश करने से क्यों रोका गया जिसका वे पारंपरिक रूप से इस्तेमाल करते रहे हैं। जूली ने पूछा, जब से विधानसभा बनी है, हम इसी दरवाजे से आते रहे हैं। आज इसे क्यों बंद किया गया? उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर विशेषाधिकार प्रस्ताव लाएगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विधायक पहले सुबह स्कूल गए जहां उन्हें एक नोटिस दिखाया गया जिसमें कहा गया था कि वे परिसर में प्रवेश नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, फिर हम पैदल विधानसभा पहुंचे और हमें यहां प्रवेश करने से रोक दिया गया। जूली ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए एक 'आवाज दबाने वाला कानून' लेकर आई है और मांग की कि इस आदेश को वापस लिया जाए। राज्य के सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि 3,768 स्कूलों को जर्जर घोषित किया गया था, लेकिन उनमें से किसी में भी पुनर्निर्माण का काम पूरा नहीं हुआ है।

उन्होंने आगे दावा किया कि लगभग 85,000 कक्ष खराब हालत में हैं और अध्यापकों के 1.25 लाख से अधिक पद खाली हैं। कांग्रेस विधायकों के धरने में मौजूद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधा।

राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र शुरू, कांग्रेस विधायक शामिल नहीं हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को यहां शुरू हुआ जिसमें मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने भाग नहीं लिया और राज्य के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे पर विधानसभा परिसर के बाहर धरना दिया। सत्र की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्ष के सदस्यों के सदन में नहीं होने पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बेंचों को खाली देखकर मन में पीड़ा है। विपक्ष के सदस्यों से कार्यवाही में भाग लेने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थिति ठीक नहीं है।

सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी सदन से अनुपस्थित रहने के लिए कांग्रेस के विधायकों पर कटाक्ष किया। सदन में कुछ विधायी कार्य निपटाए गए और दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने के बाद कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले कांग्रेस विधायक बृहस्पतिवार की सुबह पोद्दार मूक-बधिर स्कूल पहुंचे थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश व मीडिया कवरेज पर कथित प्रतिबंध का मुद्दा उठाया। जूली ने कहा कि इस आदेश को वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों के आंदोलन को दबाना चाहती है। बाद में ये विधायक जूली की अगुवाई में पोद्दार स्कूल से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा के मुख्य दरवाजे तक पहुंचे।। जब विधायकों ने समूह में विधानसभा में जाने की कोशिश की तो पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। ये विधायक विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि विधायकों को छह नंबर दरवाजे से अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है तथा दरवाजे पर ताला लगा दिया गया है।

मुख्य सचिव ने पीएम गति शक्ति राज्य मास्टर प्लान की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में पीएम गति शक्ति राज्य मास्टर प्लान के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा पीएम गति शक्ति पोर्टल पर जीआईएस आधारित डेटा अपलोड करने, डेटा लेयर्स की मैपिंग एवं परियोजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पोर्टल पर उपलब्ध डेटा को अधिक उपयोगी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए सभी आवश्यक लेयर्स की मैपिंग प्राथमिकता से पूरी की जाए। श्रीनिवास ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व भूमि की मैपिंग करते समय केवल भूमि का स्थान ही नहीं, बल्कि भूमि की किस्म सहित अन्य महत्वपूर्ण संबंधित विवरण भी पोर्टल पर उपलब्ध कराए जाएं। इससे विभागों को अपनी परियोजनाओं के लिए उपयुक्त भूमि चयन में सुविधा होगी तथा योजना अधिक प्रभावी ढंग से बनाई जा सकेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को पीएम गति शक्ति पोर्टल पर प्राथमिकता से मैप किया जाए, ताकि परियोजनाओं की योजना बनाते समय विभिन्न विभागों के पास संबंधित क्षेत्र की समग्र एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहे। उन्होंने प्रदेश में संभावित इन्फ्रास्ट्रक्चर गैप्स की पहचान, उनका विश्लेषण एवं मैपिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के डेटा को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने से परियोजनाओं की आवश्यकता, उपलब्ध संसाधनों और कनेक्टिविटी से संबंधित कमियों की बेहतर पहचान की जा सकेगी।

बैठक में बताया गया कि राज्य के पीएम गति शक्ति पोर्टल पर केंद्र सरकार की 29 अनिवार्य लेयर्स तथा राज्य सरकार द्वारा चिन्हित 23 अतिरिक्त लेयर्स की मैपिंग की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 11 अन्य लेयर्स भी मैप की गई हैं। इससे विभिन्न विभागों को परियोजनाओं की योजना एवं क्रियान्वयन के लिए एकीकृत भू-स्थानिक जानकारी उपलब्ध हो रही है। बैठक में पीएम गति शक्ति डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान की प्रगति की भी जानकारी दी गई। इसके तहत बारां जिले द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया जा चुका है, जबकि धौलपुर, सिरोही, करौली एवं जैसलमेर जिलों में मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। जिला स्तर के मास्टर प्लान में स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल, विद्युत एवं सड़क सहित विभिन्न सामाजिक एवं बुनियादी सुविधाओं से संबंधित डेटा को शामिल किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान जीआईएस आधारित एकीकृत प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के डेटा को एक मंच पर उपलब्ध कराकर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समग्र एवं समन्वित योजना में सहायता करना है। प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भू-स्थानिक डेटा, सैटेलाइट इमेजरी और विभिन्न डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण के माध्यम से परियोजनाओं की प्लानिंग, निगरानी, कनेक्टिविटी का आकलन तथा संभावित गैप्स की पहचान में सहायता मिलती है। बैठक में उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, नागरिक विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और गति शक्ति पोर्टल से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित रहें।

जयपुर में 75 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या, कंबल में बांधकर खाली जगह पर फेंका शव

जयपुर। जयपुर में 75 वर्षीय एक बुजुर्ग की कथित तौर पर हत्या कर शव को अन्यत्र फेंक दिये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान टोडारायसिंह निवासी जगदीश के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जगदीश का निर्वस्त्र शव सांगानेर सदर थानाक्षेत्र में एक खाली जगह पर कंबल में लिपटा मिला। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया आशंका है कि हत्या के बाद शव को वहां लाकर फेंका गया। सहायक पुलिस आयुक्त भवानी सिंह ने बताया कि पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस उपनिरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को कोटपूतली में एक उपनिरीक्षक को 3,500 रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार, पुलिस थाना कोटपूतली के उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के एक बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके द्वारा बैंक के विरुद्ध अदालत के माध्यम से कोटपूतली थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। परिवादी के अनुसार, आरोपी राजेंद्र सिंह इसके अनुसंधान अधिकारी हैं और वे आगे की कार्रवाई करने की एवज में पांच हजार रुपए मांग रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने रिश्वत मांगते हुए 1500 रुपए ले लिए।

टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य के लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार में लाएं तेजी : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों को और गति दी जाए। इसके लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार को सघन करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जिला स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव गुरुवार को शासन सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने टीबी की समय पर पहचान के लिए एक्स-रे मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (छ--ढ) बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए अन्य जिलों में भी प्रभावी कार्ययोजना के साथ परिणामों में सुधार लाया जाए।

श्रीनिवास ने टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (ढ्झढ) और डिफरेंशिएटेड टीबी केयर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी रोगी का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के साथ उसके परिवार के पात्र सदस्यों की स्क्रीनिंग और आवश्यकतानुसार प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने माय भारत स्वयंसेवकों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने, एनसीसी कैडेटस की ब्लॉक स्तर तक भागीदारी बढ़ाने तथा एएनएम, आशा सहयोगिनी और सीएचओ सहित जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्मिकों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग श्रीमती गायत्री राठौड ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 29 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई थीं। यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 586, वर्ष 2024 में 3,350 तथा वर्ष 2025 में 6,547 तक पहुंच गई।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 38 लाख 43 हजार 583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है तथा टीबी रोगियों को 2 लाख 4 हजार 888 पोषण किट वितरित की गई हैं। वर्ष 2026 में एक्स-रे उपयोग लक्ष्य के मुकाबले 83 प्रतिशत तक पहुंचा है। श्रीमती राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में टीबी जांच के लिए 643 छ--ढ लैब, 132 हैंड-हेल्ड एक्स-रे यूनिट और 652 फिक्स्ड एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान 3 लाख 29 हजार से अधिक छ--ढ टेस्ट और 35 लाख 87 हजार से अधिक एक्स-रे किए गए हैं। बैठक में एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जोगा राम सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान में विपक्ष के नेता टीकाराम जुली ने कांग्रेस विधायकों के साथ मिलकर गुरुवार को राज्य सरकार के उस आदेश के खिलाफ विधानसभा तक विरोध मार्च निकाल लिया, जिसमें उन्होंने मीडिया पर शिक्षा विभाग की कवरेज करने पर रोक लगा दी। भजनलाल सरकार के आदेश के खिलाफ अब राज्य में मीडिया लोगों को यह नहीं बता पाएगी कि मौजूदा समय में स्कूल कितने जर्जर हो चुके हैं या शिक्षा प्रणाली कितनी बदहाल हो चुकी है। इसी फैसले के विरोध में टीकाराम जूली ने कांग्रेस के अन्य विधायकों के खिलाफ साथ मिलकर विधानसभा तक मार्च निकाला, जिसमें वरिष्ठ नेता सचिन पायलट भी शामिल हुए। इस दौरान दोनों नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत भी की।

टीकाराम जूली ने कहा कि ये लोग हमें कब तक रोकेंगे। ये लोग हमें नहीं रोक पाएंगे। मैं खुद विधानसभा में इस बात का जिक्र करते हुए कहा था कि ये लोग हमें नहीं रोक पाएंगे। ये लोग बच्चों को रोकना चाहते हैं। ये लोग बच्चों की आवाज को दबाना चाहते हैं। हर घर में बच्चा है। आखिरकार आप कितने बच्चों को मोबाइल ले जाने से रोकेंगे। आप लोग कितने मीडिया वाले रोकने का काम करेंगे। हम सिर्फ एक ही बात जानते हैं कि आज राजीव गांधी की पुण्यतिथि है। उन्होंने नवोदय विद्यालय खुलवाए थे। आज नवोदय विद्यालय से पढ़े हुए बच्चे देश दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। इन लोगों ने एजुकेशन में एक भी काम किया हो, तो आप मुझे बताइए।

उन्होंने कहा कि हम आईटीई

लेकर आए थे। ये लोग अब उसका भगतान तक नहीं कर रहे हैं। सर्व शिक्षा अभियान और समग्र शिक्षा अभियान हम लोगों ने शुरू करने का काम किया था। लेकिन, अफसोस की बात है कि इन लोगों ने उसे भी बंद करने का काम किया। यही नहीं, सीएसआर का पैसा आरएसएस को दिया जा रहा है। मेरा यह कहना है कि यह पैसा स्कूलों को दीजिए। अगर यह पैसा स्कूलों को दिया गया होता, तो आज की तारीख में स्कूलों की तस्वीर बदल गई होती।

टीकाराम जूली ने कहा कि इस सरकार ने सत्ता में आने से पहले वादा किया था कि हम पहले ही साल में सारे पद भर देंगे। अफसोस की बात है कि अभी तक सवा लाख पद रिक्त पड़े हुए हैं। स्थिति ऐसी हो गई कि 9 लाख बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं। 3768 स्कूल जर्जर हो चुके हैं, वहां स्टूडेंट पढ़ने के लिए नहीं जा सकते हैं। इन स्कूलों को 85 हजार क्लासरूम क्षतिग्रस्त हैं। स्कूल में कोई भी पढ़ाने वाला शिक्षक नहीं है और मैं समझता हूं कि यह बहुत ही गंभीर स्थिति है। सरकार को इस दिशा में काम करना चाहिए। लेकिन, अफसोस की बात है कि इस दिशा में कोई काम नहीं किया जा रहा है। यह सभी भाजपा के पाप हैं और अब इन पापों को भरने के लिए बीजेपी की ओर से एक ढक्कन कानून लाया गया है। ऐसे ढक्कन कानून में अपनी जेब में लेकर चलता हूं। ये ढक्कन कानून अब चलने वाला नहीं है। इस ढक्कन कानून को राजस्थान के बच्चे और जनता उखाड़ फेंकने का काम कर रहे हैं। बीजेपी के पाप का घड़ा भर चुका है। अब यह फूटेगा, बल्कि ढंका नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ट्रेलर है। अभी पूरी फिल्म बाकी है। हम राजस्थान के सभी स्कूलों में जाकर यहां के स्कूलों की जर्जर हालत के बारे में लोगों को बताएंगे। हम इन लोगों को बताएंगे कि मौजूदा समय में स्कूलों की हालत कैसी बनी हुई है। यह छुपाएंगे, लेकिन हम दिखाएंगे। ये लोग हिंदू मुस्लिम की बात करेंगे, लेकिन अब हम मुद्दों पर बात करेंगे और मुद्दों के साथ जनता के बीच में जाएंगे।

वहीं, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार को घेरा। उनके मुताबिक, यह सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है।

विद्यार्थियों से जुड़ी शिकायतों की संवेदनशीलता से त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार खींची ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा विभाग से संबंधित परिवादों की स्थिति, पोर्टल पर उनकी श्रेणीवार प्रविष्टि, शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निदेशक खींची ने शिक्षा विभाग से संबंधित सभी श्रेणियों में प्राप्त परिवादों का विस्तृत विश्लेषण किया। उन्होंने शिकायतों की प्रकृति, संबंधित विभागीय स्तर तथा निस्तारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को परिवादों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खींची ने कहा कि प्राप्त शिकायतों को उनकी प्रकृति एवं विषय के अनुरूप सक्षम स्तर पर शीघ्र प्रेषित किया जाए, ताकि अनावश्यक विलंब न हो और परिवादियों को समयबद्ध राहत मिल सके। उन्होंने शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ निस्तारण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि यदि किसी परिवाद की वर्तमान श्रेणी उसके वास्तविक विषय से मेल नहीं खाती, तो आवश्यकतानुसार उसका री-कैटेगराइजेशन किया जाए, जिससे शिकायत संबंधित एवं सक्षम स्तर तक पहुंचकर उसका उचित समाधान सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही परिवादों की सही श्रेणी निर्धारण की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से संबंधित परिवादों का निस्तारण संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ किया जाए, ताकि संबंधित विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक सहायता एवं समाधान उपलब्ध हो सके। इस दौरान बालिका सैनिक स्कूल से संबंधित प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा कर उनके निस्तारण की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के दौरान खींची ने परिवाद निस्तारण से जुड़े कार्मिकों से संवाद कर पोर्टल की कार्यप्रणाली एवं शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली।

मोदी, सोनिया, खरगे और राहुल ने राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य पार्टी नेताओं ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने 'वीर भूमि' पहुंचकर राजीव गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। बाद में इन नेताओं ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

खरगे ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लाखों लोगों में उम्मीद जगाई और भारत को 21वीं सदी की संभावनाओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि राजीव गांधी एक ''दूरदर्शी नेता'' थे और उनकी विरासत उन बड़े बदलावों में जीवित है, जिनका उन्होंने समर्थन किया तथा भारत के युवाओं, तकनीकी प्रगति और नए विचारों में उनके अटूट विश्वास में भी यह विरासत दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी को सबसे सार्थक श्रद्धांजलि भारत की सद्भाव और मेल-मिलाप की भावना को मजबूत करना तथा बौद्धिक स्वतंत्रता, नवाचार और युवाओं की आकांक्षाओं को बढ़ावा देना होगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प हमेशा उनका मार्गदर्शन करता रहेगा। राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को हुआ था। वह 40 वर्ष की उम्र में 31 अक्टूबर 1984 को देश के प्रधानमंत्री बने और दो दिसंबर 1989 तक इस पद पर रहे। तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में 21 मई 1991 को चुनावी सभा के दौरान आत्मघाती हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी।

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की तथा इस केंद्रशासित प्रदेश में प्रमुख विकास कार्यों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की। सक्सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि वह लद्दाख के समावेशी और सतत विकास के लिए प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता, निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभारी हैं।

सक्सेना ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना और उन्हें लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख विकास पहल, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति के बारे में जानकारी देना वास्तव में सम्मान की बात थी।''

झारखंड परीक्षा विवाद : नौकरी पर मंडराते संकट के बीच अभ्यर्थियों ने सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में हाल ही में भर्ती परीक्षाओं के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने वाले करीब 2,700 अभ्यर्थियों ने बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया। उन्होंने 22 परीक्षाओं को रद्द करने और 23 अन्य परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के आदेश से संबंधित अधिसूचनाओं को वापस लेने की मांग की। उन्होंने राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए कहा कि उन्होंने ये परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से पास की हैं और उसी के आधार पर उन्हें सरकारी नौकरियां मिली हैं। सरकार के ये आदेश भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के 25 दिनों से चल रहे आंदोलन के बीच आए हैं।

एक प्रदर्शनकारी ने बताया, करीब 2,700 लोगों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इनमें लगभग 2,000 अभ्यर्थी वे हैं, जिन्हें झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (जेएसएससी-सीजीएल) के जरिए सरकारी नौकरी मिली है। हम इन आदेशों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सरकार के इस फैसले को झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर की हैं।

सर्वोदय विद्यालयों के संचालन में व्यापक बदलाव की जरूरत : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

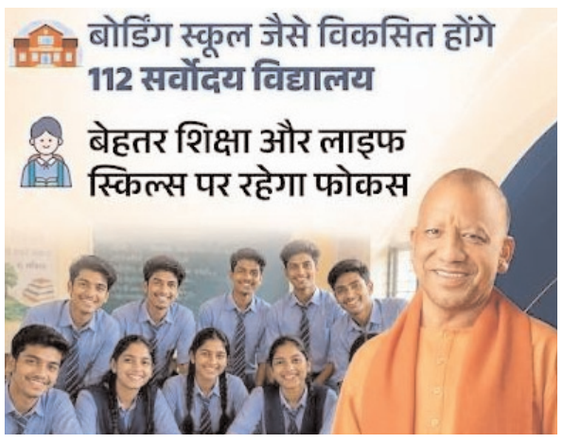

लखनऊ/भाषा। लखनऊ और उन्नाव जिले में हाल ही में शिक्षा व्यवस्था तथा अन्य समस्याओं को लेकर छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत बताई है।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिये कि सर्वोदय विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि इन आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सके। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में विभाग की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक कर्मचारियों की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी ली। बयान के अनुसार, आदित्यनाथ ने कहा कि इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ और उन्नाव में सर्वोदय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हाल ही में अपने-अपने स्कूलों में शिक्षकों की कमी और विद्यालय से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया था। छात्रवृत्ति वितरण की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति' से वंचित विद्यार्थियों के लिए आवेदन पोर्टल तत्काल खोला जाए और हर हाल में दो अक्टूबर तक छात्रवृत्ति की धनराशि अंतरित कर दी जाए।

बिहार में पांच लाख घरों तक 'रूफटॉप' सौर ऊर्जा पहुंचाने के लिए टाटा पावर की 'हर घर सोलर' पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में रूफटॉप सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने बृहस्पतिवार को 'हर घर सोलर' कार्यक्रम की शुरुआत की। कंपनी ने अगले तीन वर्षों में राज्य के पांच लाख घरों में छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने में सहयोग करने का लक्ष्य रखा है। पटना में आयोजित कार्यक्रम में बिहार ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रवीर सिन्हा तथा टीपीआरईएल के सीईओ एवं एमडी संजय बांगा की उपस्थिति में इसकी शुरुआत की।

प्रवीर सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से शुरू की गई यह पहल बिहार में सौर ऊर्जा क्रांति लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि बिहार मंत्रिमंडल ने हाल ही में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रति किलोवाट 10,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी को मंजूरी दी है। इसके बाद एक किलोवाट प्रणाली पर कुल केंद्रीय एवं राज्य सब्सिडी 40,000 रुपये, दो किलोवाट पर 80,000 रुपये तथा तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर 98,000 रुपये हो गई है। प्रवीर सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से शुरू की गई यह पहल बिहार में सौर ऊर्जा क्रांति लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बिहार मंत्रिमंडल ने हाल ही में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रति किलोवाट 10,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी को मंजूरी दी है।

शुभेंदु ने बाढ़ प्रभावित सबांग का हवाई सर्वेक्षण किया, लोगों को मदद का भरोसा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को भारी बारिश के बाद पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित सबांग इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारी ने कहा कि लोगों को हो रही परेशानियों को कम करने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को पहले ही आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आज सबांग जाते समय मैंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भारी बारिश के कारण पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबांग में बाढ़ की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है।

अधिकारी ने कहा, स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को पहले ही आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। आम लोगों की परेशानियों को कम करने के लिए पीने का पानी, राहत सामग्री और प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल वक्त में सरकार लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोगों की तकलीफ कम करने के लिए प्रशासन पूरी ताकत से काम कर रहा है।

बैंककर्मी ने पत्नी व बहन की गोली मारकर हत्या करने के बाद की खुदकुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर क्षेत्र में बैंक कर्मचारी ने अपनी पत्नी और बहन की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपनी मौत से पहले पोस्ट किए गए एक 'व्हाट्सऐप स्टेटस' में आरोपी ने दावा किया कि उसने अपनी पत्नी को इसलिए मार डाला क्योंकि उसने उसे ''धोखा'' दिया था। पुलिस के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12:15 बजे गोमती नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक की एक शाखा के बाहर हुई। मृतका की पहचान दिव्या मिश्रा (37) के रूप में हुई है, जो बैंक में 'रिलेशनशिप मैनेजर' के पद पर कार्यरत थीं।

पुलिस ने बताया कि दिव्या अपनी कार में थीं, तभी उनके पति मानस मिश्रा ने उन्हें बाहर बुलाया और गोली मार दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। मानस कथित रूप से एक ऑटो रिक्शा में दिव्या का इंतजार कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मानस और दिव्या के बीच वैवाहिक विवाद था। अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) अमोल मुर्कुट सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बताया कि दिव्या पिछले तीन-चार वर्षों से इस बैंक में काम कर रही थीं। पुलिस अधिकारी ने कहा, बैंक में काम करने वाली दिव्या के सहकर्मियों ने हमलावर की पहचान उसके पति के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि मानस का बाद में हुसड़िया क्षेत्र में पता लगाया गया, जहां उसने अपनी बहन शीबा बाजपेयी को कथित तौर पर गोली मार दी और इसके बाद खुद को भी गोली मार ली।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी भी एक बैंक में अधिकारी था। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। लखनऊ के पुलिस आयुक्त तरुण गाबा भी मौका-ए-वारदात पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और फोरेंसिक टीमें सबूतों की जांच कर रही हैं। अपनी मौत से पहले पोस्ट किए गए एक 'व्हाट्सऐप स्टेटस' में मानस ने आरोप लगाया कि उसने अपनी पत्नी को इसलिए मार डाला क्योंकि उसने उसे ''धोखा'' दिया था। उसने यह भी दावा कि दिव्या की बहन प्रज्ञा मिश्रा और उसके पति भरत यादव को इस मामले के बारे में सब कुछ पता था। पत्रकार और यूट्यूबर प्रज्ञा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि आईसीआईसीआई बैंक की जिस कर्मचारी को गोली मारी गई, वह उनकी बहन थी।

प्रज्ञा ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को टैग करते हुए एक पोस्ट में कहा, 'अभी-अभी फोन आया कि गोमतीनगर में मेरी बहन को गोली मार दी गयी है.....लोहिया में है, ईश्वर मेरी बहन की रक्षा करे।'' मानस के घर के पास रेस्तरां संचालित करने वाले एक व्यक्ति ने संवाददाताओं को बताया कि उसने पसीने से लथपथ मानस को बहुत तेजी से घर के अंदर आते देखा था। उसने कहा, ''मैंने उनसे (मानस) पूछा भी कि भैया क्या बात है, आप बहुत परेशान लग रहे हैं, लेकिन उन्होंने मुझसे कहा कि कुछ नहीं, बस दफ्तर के कुछ मसले हैं। फिर वह अंदर चले गए।''

सीमावर्ती क्षेत्रों की पहले उपेक्षा हुई, अब वे मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की ओर से ''घुसपैठ'' के हालिया दावों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों की पहले उपेक्षा की जाती थी लेकिन अब ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ''सर्वोच्च प्राथमिकता'' हैं।

रीजीजू ने पूर्व रक्षा मंत्री ए. के. एंटनी द्वारा 2013 में संसद में दिए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें एंटनी ने स्वीकार किया था कि भारत में सीमावर्ती क्षेत्रों को अविकसित रखने की नीति लंबे समय तक अपनाई गई थी, जिसके कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और क्षमताओं के विकास में चीन ने भारत को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, एंटनी ने उसी भाषण में यह भी स्पष्ट किया था कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के सत्ता में आने से 20-25 वर्ष पहले यह नीति बदल दी गई थी और उसके बाद से लगातार भारतीय सरकारें सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सैन्य क्षमताओं को मजबूत कर रही हैं। कांग्रेस नेता एंटनी ने दावा किया था कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने इन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 'सबसे अधिक' काम किया। लोकसभा में अरुणाचल पश्चिम का प्रतिनिधित्व करने वाले रीजीजू की यह टिप्पणी अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी क्षेत्र में ''चीनी सैन्य गतिविधियों'' को लेकर नये सिरे से चिंता जताए जाने के बीच आई है। रीजीजू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुछ लोगों ने सीमा को लेकर यूं ही टिप्पणी कर दी। सीमावर्ती इलाके दुर्गम हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मैं बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के लिए अरुणाचल प्रदेश के माजा, गालेमो और ताकसिंग इलाकों में गया था। सीमावर्ती क्षेत्रों की पहले उपेक्षा हुई लेकिन अब ये सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को लेकर कांग्रेस के रिकॉर्ड पर निशाना साधा। रीजीजू ने कहा, ''कांग्रेस नेताओं में ए. के. एंटनी जी बहुत ईमानदार थे। उन्होंने रक्षा मंत्री रहते हुए संसद में स्वीकार किया था कि कांग्रेस सरकार की नीति सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा नहीं बनाने की थी।''

वाराणसी में बाढ़ के पानी में डूबे घाट, सीढ़ियों और छतों पर हो रहा दाह संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी में गंगा की बाढ़ से हालात विकट होते जा रहे हैं और हरिश्चंद्र घाट तथा मणिकर्णिका घाट पर पानी आ जाने की वजह से शवों का दाह संस्कार सीढ़ियों और छतों पर किया जा रहा है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि गंगा के जल स्तर में लगातार बढ़ोत्तरी देखी जा रही है और यह तेजी से खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हरिश्चंद्र घाट और मणिकर्णिका घाट पर पानी आ जाने से घाटों के सीढ़ियों और छतों पर दाह संस्कार किया जा रहा है। त्रिपाठी ने बताया कि वाराणसी में सावन माह की वजह से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं और उनकी सुरक्षा को देखते हुए एहतियातन नावों के संचालन पर रोक लगा दी गयी है। उन्होंने बताया कि नाविकों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे जल पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों द्वारा उद्घोषणा के माध्यम से बताए गए सभी आदेशों का पालन करें।

अभिषेक अपने फ्रीज खाते का केवाईसी अपडेट कराने के लिए बैंक को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराएं : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को निर्देश दिया कि वह अपने उस खाते और डेबिट-क्रेडिट कार्ड का केवाईसी अपडेट कराने के लिए सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराएं, जिन्हें बैंक अधिकारियों ने फ्रीज कर दिया है। बैंक ने अदालत को बताया कि अभिषेक के बैंक खाते और डेबिट-क्रेडिट कार्ड के केवाईसी अपडेट के लिए किन दस्तावेजों की जरूरत है। उसने तृणमूल सांसद से भरा हुआ आवेदन पत्र, फोटो और निवास प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को कहा। अभिषेक ने उनके खाते को फ्रीज करने (लेन-देन पर रोक लगाने) और डेबिट-क्रेडिट कार्ड को ब्लॉक करने के एक निजी बैंक के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने अभिषेक की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें बृहस्पतिवार को ही बैंक को सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैंक के वकील ने अदालत को बताया कि अभिषेक ई-केवाईसी की सुविधा का लाभ नहीं उठा सकते, क्योंकि उनका खाता फ्रीज कर दिया गया है। हालांकि, वकील ने कहा कि अभिषेक को शाखा जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बैंक के अधिकारी सभी जरूरी दस्तावेज लेने के लिए उनके आवास पर जाएंगे। न्यायमूर्ति राव ने बैंक से कहा कि वह तृणमूल सांसद को उनके आवास पहुंचने के समय के बारे में जानकारी दे। उन्होंने अभिषेक को निर्देश दिया कि वह तय समय पर अपने आवास पर मौजूद रहें, ताकि जरूरी दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर लिए जा सकें। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

टाटा समूह की कंपनी आईएचसीएल ने लखनऊ में ताज पैलेस होटल खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

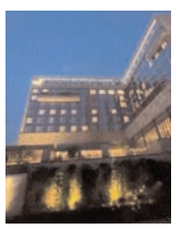

नई दिल्ली/भाषा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने लखनऊ में 181 कमरों वाला ताज पैलेस होटल खोला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को होटल का उद्घाटन किया। आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत चटवाल ने कहा, जैसे-जैसे भारत का आर्थिक और पर्यटन परिदृश्य लगातार विस्तृत हो रहा है, बुनियादी ढांचे के विकास, बढ़ते निवेश और पर्यटकों की बढ़ती संख्या से प्रेरित होकर लखनऊ जैसे शहर विकास के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। चटवाल ने कहा कि शहर में दूसरे ताज होटल की शुरुआत क्षेत्र की प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूजीसी के 2026 के समानता संबंधी विनियमों पर पुनर्विचार किया जा रहा है : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि शैक्षणिक परिसरों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित 2026 के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के समानता संबंधी नियमों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय ने 29 जनवरी को निर्देश दिया था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 को फिलहाल स्थगित रखा जाए। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष हुई।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया, यह यूजीसी के विनियमों से संबंधित मामला है। इस पर पुनर्विचार किया जा रहा है। पीठ ने यूजीसी को चार सप्ताह के भीतर एक विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इसके बाद, यदि कोई जवाब देना चाहें तो दो सप्ताह के भीतर प्रत्युत्तर (रिजॉइंडर) दाखिल कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय 2026 के विनियमों की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। उच्चतम न्यायालय ने 29 जनवरी को शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के लिए यूजीसी के हालिया समानता नियमों पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि यह प्रारूप प्रथम दृष्टया अस्पष्ट है, इसके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं तथा इसका प्रभाव खतरनाक रूप से समाज को विभाजित करने वाला भी हो सकता है। शीर्ष अदालत ने 2026 विनियमों के खिलाफ दायर तीन याचिकाओं पर केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा था। पीठ ने कहा था, हम अनुच्छेद 142 के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए निर्देश देते हैं कि 2012 के विनियमन अगले आदेश तक लागू रहेंगे। शुरुआत में, पीठ ने 2026 के विनियमों को लेकर चिंता व्यक्त की थी और विनियमन 3(1)(सी) के तहत जाति-आधारित भेदभाव की एक अलग परिभाषा की आवश्यकता पर सवाल उठाया, जबकि विनियमन 3(1)(ई) पहले से ही भेदभाव की एक व्यापक परिभाषा प्रदान करता है।

सुविचार

विनम्रता महानता की निशानी है। फलदार वृक्ष की तरह झुकें, अहंकार से दूर रहें, सबका सम्मान करें, यही सच्ची महानता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अद्भुत देश भारत!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय चुनाव प्रणाली की शक्ति एवं सामर्थ्य के बारे में की गई टिप्पणी के बाद ऐसे अनेक क्षेत्रों की चर्चा होना स्वाभाविक है, जिनमें भारत कई 'विकसित' देशों से बहुत आगे है। हमारे देश में साजिशन नकारात्मकता का बहुत प्रचार किया गया, इसलिए लोगों को इस बात पर आसानी से विश्वास नहीं होता है। भारत में कई लोगों को लगता है कि कथित विकसित देशों में हर कोई सुखी है, वहां सोना बरस रहा है और अपने देश की हर चीज खराब है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत में कुछ समस्याएं हैं, लेकिन ऐसा सिर्फ भारत में नहीं है। हर देश की अपनी समस्याएं हैं। अपनी तमाम समस्याओं के बावजूद, भारत खान-पान के मामले में स्वर्ग है। जितने पकवान यहां बनते हैं, उतने किसी देश में नहीं बनते हैं। यहां आज भी रोटी बहुत सस्ती है। फलों और सब्जियों का तो कहना ही क्या! गांवों-कस्बों में दस-बीस रुपए की ताजा सब्जी पूरा परिवार खा सकता है। ऐसा अमेरिका में संभव नहीं है। एक भारतीय नागरिक ने जापान में तरबूज का भाव पूछा तो हैरान रह गया। वहां एक मामूली तरबूज की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग एक हजार रुपए थी, जबकि उससे ज्यादा अच्छा तरबूज यहां बीस-तीस रुपए में बड़ी आसानी से मिल सकता है। गांवों में तो और सस्ता मिल सकता है। अमेरिका में एक किलो आलू की कीमत लगभग 200 रुपए है। भारत की सब्जी मंडियों में बीस-तीस रुपए किलो के भाव में अच्छे आलू मिल जाते हैं। अगर घर के किसी कोने में खाली जगह हो और वहां आठ-दस आलू यूं ही लगा दें तो धरती माता उन्हें कई गुना करके वापस देती है। ब्रिटेन में हरी सब्जियां बहुत महंगी बिकती हैं। अमरूदों के भाव बहुत ज्यादा होते हैं। वहीं, भारतीय मंडियां इन चीजों से भरी पड़ी हैं और कीमतें सामान्य हैं।

भारत में फरवरी के आखिर में जैसे ही गर्मी बढ़ने लगती है, कई लोग मौसम को कोसने लगते हैं। वे कहते हैं कि 'काश, हम किसी ठंडे मुल्क में पैदा होते तो बात ही कुछ और होती।' उन्हें एक बार रूस के याकुत्स्क का चक्कर लगाकर आना चाहिए। वहां माइनस पचास डिग्री से. तक तापमान चला जाता है। हर कहीं बर्फ ही बर्फ देखने को मिलती है। सर्दियां बहुत कठोर होती हैं। गर्मियों की अवधि छोटी होती है, जिसमें आलू, गाजर, पत्तागोभी, चुकंदर जैसी गिनती की सब्जियां उगा सकते हैं। सर्दियों में सब्जियां दूसरे इलाकों से मंगानी पड़ती हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। बाहर निकलने से पहले भारी-भरकम ऊनी कोट, दस्ताने, टोपी, जूते पहनने पड़ते हैं। अगर नहीं पहनेंगे तो शरीर का कोई हिस्सा सुन्न पड़ सकता है, जिसे बाद में हटाने की नौबत आ सकती है। एक पर्यटक का कान सुन्न पड़ गया था, जिसे तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी थी। अगर थोड़ी देर और हो जाती तो ज़िंदगीभर पछताते। भारत पर सूर्यदेव अपनी अपार कृपा बरसाते हैं। ठंडे देशों के लोग यहां आकर धूप सेकते हैं, ताकि तन-मन को थोड़ा सुकून मिले। अगर हमने इतनी धूप का सदुपयोग करने के लिए कोई तकनीक विकसित की होती तो आज ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होते। हमें एलपीजी सिलेंडरों के लिए विदेशों पर निर्भर नहीं होना पड़ता और हर साल अरबों डॉलर बचते सो अलग। भारत के तीज-त्योहार अर्थव्यवस्था को ऊर्जावान बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दीपावली पर दीपक, तेल और बाती से ही लाखों लोगों तक धन का प्रवाह हो जाता है। ऐसा अर्थशास्त्र कितने देशों के पास है? हमारे हर त्योहार का कोई-न-कोई वैज्ञानिक आधार जरूर होता है। हमें इन पर गर्व करना चाहिए। अगर हमारे नेता और अधिकारी गंभीरता एवं ईमानदारी से काम करें, जनता अपनी जिम्मेदारी ठीक ढंग से निभाए तो भारत सबसे समृद्ध और खुशहाल देश बन सकता है।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस वर्किंग कमेटी का 'वंदे मातरम' के पूरे गाने के बजाय सिर्फ़ दो लाइन गाने का फ़ैसला न सिर्फ़ देश विरोधी है, बल्कि पार्लियामेंट के बनाए क़ानून की खुली अवहेलना भी है।ङ्ङ1937 में, तुष्टीकरण के लिए, कांग्रेस ने ही 'वंदे मातरम' को दो हिस्सों में बाँट दिया था।

-अमित शाह

कांग्रेस ने हमेशा एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन को देश बनाने का एक ज़रूरी हिस्सा माना है। श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1972 के स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस से लेकर 'प्रोजेक्ट टाइगर' तक और संविधान में आर्टिकल 48- और 51-(स) जोड़कर, नेचर की सुरक्षा को एक कॉन्स्टिट्यूशनल ड्यूटी बनाया।

-अशोक गहलोत

कांग्रेस वर्किंग कमेटी द्वारा 'वंदे मातरम' के केवल दो छंद गाने का निर्णय एक बार फिर उनकी तुष्टीकरण की राजनीति को उजागर करता है। 1937 में भी कांग्रेस ने अपनी मूल भावना से समझौता किया था, और आज भी वही मानसिकता स्पष्ट है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

जीव का मूक प्रेम

महादेवी वर्मा एक बार मोटर दुर्घटना में घायल होकर कुछ दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती रहीं। इस दौरान उनकी पालतू गिलहरी गिल्लू, जिसे उन्होंने स्वयं मरणासन्न अवस्था से बचाकर पाला था, घर पर अकेली रह गई। जब भी महादेवी के कमरे का द्वार खोला जाता, गिल्लू अपने झूले से उतरकर तेज़ी से दौड़ती, किंतु द्वार पर किसी और को देखकर उसी तीव्रता से वापस अपने घोंसले में लौट जाती। घर के सभी लोग उसे प्रतिदिन उसका प्रिय भोजन काजू देने का प्रयास करते रहे। अस्पताल से लौटने पर जब महादेवी ने गिल्लू के झूले की सफाई की, तो उन्हें वहां काजू के दाने जमा मिले, लगभग अछूते। इससे यह प्रकट हुआ कि गिल्लू ने उन दिनों अपना प्रिय भोजन लगभग त्याग ही दिया था, मानो प्रतीक्षा और विरह में उसकी भूख ही मर गई हो।

महादेवी लौटीं तो गिल्लू अस्वस्थ लेखिका के तकिए के पास बैठकर अपने नन्हे पंजों से उनके सिर और बालों को सहलाने लगी, ठीक किसी समर्पित परिचारिका की भांति।

सामयिक

कश्मीर पर अमेरिका का बदलता रुख

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले जम्मू-कश्मीर दौरे में यहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद कश्मीर को भारत का अभिन्न और अहम भू-भाग बताया। ताकि सुरक्षा के लिहाज से सराहना की। अमेरिकी राजदूत का यह बयान अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के स्तर पर चौंकाने वाला होने के साथ अमेरिका और भारत के संबंधों में बदलाव का उल्लेखनीय संकेत है। लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका की स्थिति भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय विवाद के रूप में देखी जाती रही है। जिसे अकसर भारतीय प्रशासन वाले कश्मीर जैसे शब्दों से संबोधित किया जाता रहा है। ऐसे में एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक का यह दो टूक बयान कष्मीर की धरती पर देना इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर कष्मीर को लेकर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इस बयान से पाकिस्तान को तो झटका लगा ही है, चीन भी सकते में है।

याद रहे अमेरिका ने वर्ष 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के तात्कालिक पूर्वी लद्दाख और लेह को छोड़कर अपने नागरिकों को यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी हुई है। इस नसीहत को चौथी श्रेणी में रखा हुआ है। गोर ने फिलहाल इस यात्रा चेतावनी को कम करने का कोई संकेत नहीं दिया है, लेकिन उम्मीद है कि इस बिंदु पर अमेरिका यात्रा में छूट दे सकता है ? हालांकि उस समय धारा-370 बहाल थी और घाटी में आतंकी संकट की छाया छाई रहती थी। अगस्त 2019 में धारा-370 और 35-ए को भारत सरकार ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते विलोपित कर दिया, उसी के बाद से कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हालातों में निरंतर सुधार हो रहे हैं और पत्थरबाजी व अन्य आतंकी घटनाओं में कमी आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के एक दिन बाद ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उक्त चेतावनी की फिर से पुष्टि करते हुए नई एडवायजरी जारी कर दी थी। जो अभी भी लागू है। चूंकि गोर दक्षिण एशिया व मध्य एशियाई मामलों के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनकी कश्मीर यात्रा और दो टूक बयान की अपनी अलग अहमियत है। खासतौर पर तब जब पाकिस्तान के संबंध भी अमेरिका के साथ फिलहाल मधुर बने हुए हैं और अमेरिका ईरान से लड़े जा रहें युद्ध में पाकिस्तान को अपने हितों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। इस बयान से उमर अब्दुल्ला को भी बड़ा झटका लगा है। क्योंकि वे कुछ दिनों से धारा-370 की पुर्नबहाली की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जून-2026 में द हिंदू हडल (अंग्रेजी समाचार पत्र) सत्र के दौरान कहा था कि 2019 में 370 को हटाना भारत सरकार की सबसे बड़ी नीतिगत भूल थी। साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा और विशेष संवैधानिक अधिकारों की बहाली की भी मांग की थी।

पाकिस्तान धर्म की घुट्टी पिलाकर 35 साल से भारत पर आतंकी हमले करता रहा है। जबकि उसे सबसे मुकम्मल उत्तर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया गया था। लेकिन वह बाज नहीं आ रहा है। कुत्ते की पूंछ की तरह पाक की पूंछ टेढ़ी ही बनी हुई है। गैर-कश्मीरियों और हिंदुओं की हत्या के लिए उसकी क्रूरता समाप्त नहीं हो रही है। जाहिर है, पाकिस्तान भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बदले को भूल गया है। उसे एक बार फिर करारा जबाव देना होगा। दरअसल इस समय पाकिस्तान अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे आजादी के आंदोलन से भी जूझ रहा है। वहां भी उसने निर्ममता बरतते हुए सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों को भूनने का काम हाल ही में किया है। पाक की ये हरकतें इसलिए भी बरकरार हैं, क्योंकि ईरान हमले में उलझा अमेरिका उसकी पीठ थपथपाने में लगा है। ऐसे में भारत को अनेक कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को विवष करना पड़ रहा है। अब जाकर उसे कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका का दो टूक जवाब मिला है।

अनुच्छेद-370 हटने के बाद भी हालातों में सुधार नहीं हो पा रहा है, तो इसका एक बड़ा कारण मजहबी कट्टरता पर चोट नहीं कर पाना है। गोया, साफ है कि यह समस्या अब राजनैतिक व संवैधानिक नहीं रह गई है, बल्कि धार्मिक चरमपंथ के रूप में सामने आ रही है। इस हिंसक उन्माद का सोच पाकिस्तान से निर्यात आतंकवाद तो है ही, घाटी में कुकुरमुत्तों की तरह मस्जिदों और मदरसों में फैला, वह शिक्षा का तंत्र भी है, जो आतंक की फसल बोने और उगाने का काम करता है। यही वजह है कि जितने भी इस्लामिक देश हैं, उनमें न तो अल्पसंख्यकों का जनसंख्यात्मक घनत्व बढ़ रहा है और न ही उन्हें नागरिक समानता के अधिकार मिल रहे हैं। कश्मीर में भी जिहादी चाहते हैं कि गैर-मुस्लिम या तो इस्लाम स्वीकार करें या फिर घाटी छोड़ जाएं।

मुस्लिमों की इस दोषपूर्ण मंशा को संविधान निर्माण के समय ही डॉ भीमराव अंबेडकर ने समझ लिया था। शेख अब्दुल्ला ने जब जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने की मांग की तो अंबेडकर ने सख्त लहजे में कहा था कि आप चाहते हो कि भारत कश्मीर की रक्षा करे, कश्मीरियों की आर्थिक सुरक्षा करे, कश्मीरियों को संपूर्ण भारत में समानता का अधिकार मिले, लेकिन भारत और अन्य भारतीयों को आप कश्मीर में कोई अधिकार देना नहीं चाहते? मैं देश का कानून मंत्री हूं और मैं अपने देश के साथ कोई अन्याय या विश्वासघात किसी भी हालत में नहीं कर सकता हूं। विडंबना देखिए कि मुस्लिम समाज देश में हर जगह बृहद हिंदू समाज के बीच अपने को सुरक्षित पाता है, किंतु जहां कहीं भी हिंदु अल्पसंख्यक मुस्लिमों के बीच रह रहे हैं, उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। बावजूद नेहरू के अनावश्यक दखल से कश्मीर को विशेष दर्जा मिल गया। इस भिन्नता का संकट देश बंटवारे से लेकर अब तक भुगत रहा है। यही वजह है कि इस बंटवारे के बाद पाकिस्तान से जो हिंदू, बौद्ध, सिख और दलित शरणार्थी के रूप में जम्मू-कश्मीर में ही ठहर गए थे, उन्हें मौलिक अधिकार धारा-370 हटने के बाद मिल पाए हैं। इनकी संख्या करीब 70-80 लाख है, ये 56 शरणार्थी शिविरों में सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से महरूम रहते हुए बद से बदतर जिंदगी का अभिशाप धारा-370 हटने से पहले तक भोगते रहे हैं।

पहलगाम हमले के बाद जितने भी आतंकी हमले कश्मीर में हुए हैं, उनमें से ज्यादातर की जिम्मेदारी भी टीआरएफ ने ली थी। यह लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा संगठन है, जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों को ही अंजाम देता है। भारतीय सेना ने कोटली अब्बास में जिस आतंकी शिविरों को तबाह किया किया था, इसमें 1500 आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था। मुरीदके में जिस मरकज तैयबा को ध्वस्त किया गया था, यहां लष्कर का मुख्यालय माना जाता है। यहीं से मुंबई हमले का प्रमुख आतंकी अजमल कसाब ने प्रशिक्षण लिया था। इस जबाबी कार्यवाही के बाद भारत की कूटनीति अत्यंत सफल दिखाई दी थी, क्योंकि भारत का तत्काल अमेरिका, रूस और जापान ने खुलकर समर्थन किया था। यह समर्थन मोदी ने वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के लिए जो मुहिम चलाई हुई है, उसका परिणाम थी। अतएव इसमें कोई दो राय नहीं कि सीमापार स्थित ठिकानों से आतंकी गतिविधियां संचालित करने वाले संगठनों के खिलाफ सेना और सुरक्षाबलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। कश्मीर में आतंकी बने रहने का एक कारण यह भी है कि आतंकियों को मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम होने के कारण संरक्षण आसानी से मिल जाता है। यही कारण है कि रुक-रुककर आतंकी बिना किसी शोर-शराबे के मुस्लिम आबादी के बीच घुसपैठ करके हिंदुओं के विरुद्ध लक्षित हिंसा को परिणाम में बदलने में सफल हो जाते है। ऐसे हमलों में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। अब अमेरिकी राजनयिक के कथन के बाद संभव है आतंकी हमलों पर अंकुश लगे?

नजरिया

गठबंधन या मजबूरी का बंधन?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

वोटो के इस आंतरिक ध्रुवीकरण और वर्चस्व की मूक जंग में सबसे बड़ा पेंच मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर फंसा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस वर्ग ने बिना किसी दुविधा के, बेहद समझदारी से भाजपा को हराने के लिए एकमुश्त इस गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। परंतु अब, कांग्रेस को यह साफ दिखाई दे रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय और गैर-जाटव दलित मतदाता दोबारा अपने पुराने और पारंपरिक घर यानी कांग्रेस की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक शाश्वत नियम रहा है-यहाँ दिल्ली का रास्ता तो तय होता है, लेकिन प्रांतीय स्वाभिमान और क्षेत्रीय क्षत्रपों की महत्वाकांक्षाओं के टकराव में बड़े-से-बड़े राष्ट्रीय एजेंडे भी ध्वस्त हो जाते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने देश के सबसे बड़े राज्य में राजनीतिक चमत्कार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के 'अजेय रथ' की रफ्तार पर ब्रेक लगाया, तो देश भर के विपक्षी रणनीतिकारों को लगा कि उन्होंने भाजपा की चुनावी मशीनरी की अचूक काट ढूंढ ली है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी, जिसे 'यूपी के दो लड़के' कहकर प्रचारित किया गया, ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के एक नए सामाजिक समीकरण को जन्म दिया। इस समीकरण को जनता का भारी समर्थन मिला और गठबंधन ने राज्य की 80 में से 43 सीटों पर ऐतिहासिक विजय पताका फहराई। परंतु, राजनीति में जीत जितनी सुखद होती है, उसकी विरासत को संभालना और आगामी संघर्षों के लिए उसे अक्षुण्ण रखना उतना ही दुरूह कार्य होता है। आज, 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही, इस सफल गठबंधन की नींव हिलती हुई साफ दिखाई दे रही है। लखनऊ से लेकर दिल्ली के गलियारों तक यह चर्चा आम है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच 'सब कुछ ठीक नहीं है'। यह दरार अब केवल बंद कमरों की बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सार्वजनिक मंचों से लेकर सोशल मीडिया के अखाड़े तक खुलकर सामने आ रही है।

इस गहरे अविश्वास, जमीनी अंतर्विरोध और दोनों दलों के बीच जारी वर्चस्व की जंग का सबसे ताजा, ज्वलंत और चिंताजनक उदाहरण हाल ही में सहारनपुर में आयोजित 'दिशा' की आधिकारिक बैठक के दौरान देखने को मिला। जिला स्तर पर विकास कार्यों, प्रशासनिक तालमेल और स्थानीय जनसमस्याओं (विशेषकर एक नाले के निर्माण और विकास कार्यों की अनदेखी) की समीक्षा के लिए बुलाई गई इस उच्च स्तरीय बैठक में जो कुछ हुआ, उसने उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बहुत बड़ा यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है। बैठक के दौरान कांग्रेस के कद्दावर सांसद इमरान मसूद और समाजवादी पार्टी के स्थानीय विधायक आशु मलिक के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस विकास कार्यों के दायरे को लांघकर व्यक्तिगत आक्षेपों, सांगठनिक श्रेष्ठता की जंग और तू-तू मैं-मैं के अमर्यादित स्तर पर पहुंच गई। दोनों नेताओं के बीच करीब सात से आठ मिनट तक चली इस तीखी जुबानी जंग का वीडियो कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो गया। यद्यपि, राजनीति के तयशुदा व्याकरण के अनुसार, घटना के अगले ही दिन दोनों नेताओं और दोनों पार्टियों के प्रवक्ताओं ने भारी डैमेज कंट्रोल की कोशिशें शुरू कर दीं। यह बयान जारी किए गए कि यह महज जनप्रतिनिधियों के बीच स्थानीय विकास कार्यों को लेकर हुई एक सामान्य प्रशासनिक बहस थी और इसे राजनीतिक गठबंधन के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक और जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता अच्छी तरह जानते हैं कि सियासत में इस तरह के सार्वजनिक और तीखे टकराव कभी भी महज प्रशासनिक मतभेद नहीं होते। यह वाकया उस ज्वालामुखी का एक छोटा सा विस्फोट है जो पिछले कई महीनों से दोनों पार्टियों के प्रांतीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के दिलों में सुलग रहा था। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि लोकसभा चुनाव में शीर्ष स्तर पर जो सामंजस्य और आपसी समझ दिखाई दे रही थी, वह जमीन पर जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक कभी पहुंची ही नहीं। सहारनपुर की यह घटना इस बात का प्रामाणिक दस्तावेज़ है कि दोनों दलों के नेता एक-दूसरे को सहयोगी कम और अपनी राजनीतिक जमीन का अतिक्रमण करने वाला प्रतिद्वंद्वी ज्यादा मान रहे हैं।

इस रार और अविश्वास की जड़ें केवल स्थानीय मुद्दों या किसी नाले के निर्माण तक सीमित नहीं हैं। इसकी असली वजह 2027 की चुनावी बिसात पर अपनी-अपनी ताकत दिखाने और भविष्य की सरकार में अपनी हिस्सेदारी तय करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। 2024 की सफलता के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर एक नए आत्मविश्वास का संचार हुआ है। पार्टी के रणनीतिकार, नए सांगठनिक प्रभारी और प्रांतीय नेता अब राज्य में खुद को समाजवादी पार्टी के 'जूनियर पार्टनर' या 'पिछलग्गू' के रूप में देखने को कतई तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के भीतर से लगातार यह मांग उठ रही है और सार्वजनिक मंचों से यह बयान दिए जा रहे हैं कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी से कम पर कोई समझौता नहीं करेगी। पार्टी के भीतर एक बड़ा धड़ा साफ तौर पर कम से कम 150 सीटों पर अपनी मजबूत दावेदारी ठोक रहा है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर हुई वापसी, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' और उनके द्वारा तैयार किए गए नैरेटिव के बिना उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को अकेले दम पर 37 सीटें मिलना किसी भी सूरत में संभव नहीं था। कांग्रेस का मानना है कि मुस्लिम और दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी के चेहरे और कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष साख को देखकर इस गठबंधन की ओर आकर्षित हुआ था। इसलिए, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उसका वाजिब हक मिलना ही चाहिए, क्योंकि उनके बिना राज्य में भाजपा-विरोधी कोई भी सरकार नहीं बन सकती। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी खुद को उत्तर प्रदेश में भाजपा-विरोधी और धर्मनिरपेक्ष राजनीति का 'बड़ा भाई' और एकमात्र वास्तविक विकल्प मानती है। अखिलेश यादव और उनके रणनीतिकारों का स्पष्ट मानना है कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर वास्तविक संगठन, समर्पित कैडर, बूथ मैनेजमेंट और सांगठनिक मशीनरी केवल और केवल समाजवादी पार्टी के पास है।

वोटो के इस आंतरिक ध्रुवीकरण और वर्चस्व की मूक जंग में सबसे बड़ा पेंच मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर फंसा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस वर्ग ने बिना किसी दुविधा के, बेहद समझदारी से भाजपा को हराने के लिए एकमुश्त इस गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। परंतु अब, कांग्रेस को यह साफ दिखाई दे रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय और गैर-जाटव दलित मतदाता दोबारा अपने पुराने और पारंपरिक घर यानी कांग्रेस की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इसी मुस्लिम-दलित-सवर्ण गठजोड़ के पुराने फॉर्मूले को पुनर्जीवित कर अपने खोए हुए राजनीतिक साम्राज्य को बहाल करना चाहती है।

इसके उलट, समाजवादी पार्टी अपने इस मुख्य आधार-जिसके दम पर वह राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बनी हुई है-को किसी भी कीमत पर अपने हाथ से खिसकने नहीं देना चाहती। सपा को डर है कि यदि मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस की तरफ शिफ्ट हो गया, तो उसका क्षेत्रीय क्षत्रप और राज्य की राजनीति का मुख्य ध्रुव होने का दर्जा हमेशा के लिए खतरे में पड़ जाएगा। सहारनपुर की घटना और उसके बाद इमरान मसूद जैसे नेताओं के तीखे बयान इसी वोट बैंक पर अपने-अपने प्रभाव को साबित करने की एक अघोषित और आक्रामक जंग का हिस्सा हैं।

यह बात को प्रमुखता से रेखांकित होती है कि शीर्ष स्तर पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव की आपसी केमिस्ट्री चाहे जितनी भी मजबूत, सौहार्दपूर्ण और परिपक्व दिखाई दे, जमीन पर व्यावहारिक राजनीति केवल व्यक्तिगत दोस्ती या मुस्कुराती हुई तस्वीरों से संचालित नहीं होती। व्यावहारिक राजनीति हमेशा कार्यकर्ताओं की महत्वाकांक्षाओं, स्थानीय नेताओं के अस्तित्व के संकट और क्षेत्रीय सामाजिक समीकरणों से संचालित होती है। शीर्ष स्तर के नेता भले ही दिल्ली या लखनऊ में बैठकर बंद कमरों में कोई समझौता कर लें, लेकिन जब तक बूथ स्तर पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं का दिल नहीं मिलेगा और वोटों का ट्रांसफर पूरी ईमानदारी के साथ एक-दूसरे के पक्ष में नहीं होगा, तब तक किसी भी गठबंधन की सफलता केवल एक किताबी कल्पना ही रहेगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ब्रिटेन और अमेरिका की दस दिनों की यात्रा पर लंदन पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ब्रिटेन एवं अमेरिका की दस दिन की यात्रा के प्रथम चरण में बृहस्पतिवार को लंदन पहुंचे। राज्य सरकार ने इसकी जानकारी दी। राज्य सरकार के अनुसार, ब्रिटेन में रेड्डी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एवं अमीरात स्टेडियम जाने का कार्यक्रम है। रेड्डी अमीरात स्टेडियम में इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल से संबंधित एक प्रस्तुति में शामिल होंगे। ब्रिटेन दौरे के दौरान रेड्डी का कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, लंदन विश्वविद्यालय एवं लंदन बिजनेस स्कूल (एलबीएस) में संवाद एवं अन्य कार्यक्रमों की योजना है।

इसके बाद मुख्यमंत्री अगले हफ्ते अमेरिका जायेंगे, जहां वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय और मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) के परिसर का दौरा करेंगे। उनका 25 अगस्त को बॉस्टन में 'वर्जीनियां टेक यूनिवर्सिटी' के एक दल के साथ संवाद का कार्यक्रम है। कुछ आधिकारिक भेंटवार्ताओं के अलावा, न्यूयॉर्क में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) की अमेरिकी इकाई द्वारा आयोजित प्रवासी भारतीयों के साथ एक मुलाकात का कार्यक्रम भी रेड्डी के अमेरिका दौरे के एजेंडे में शामिल है। इससे पहले, बृहस्पतिवार तड़के नई दिल्ली हवाई अड्डे पर कांग्रेस सांसद मल्लू रवि और राज्य सरकार के प्रोटोकॉल मामलों के सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल ने उन्हें विदा किया। रेड्डी बुधवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए थे।

जर्मनी में भीषण तूफान से एक महिला की मौत, दो घायल

बर्लिन/एपी। जर्मनी के कई हिस्सों में रातभर आए तेज तूफान से भारी नुकसान हुआ, एक महिला की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य लोग घायल हो गए। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने बृहस्पतिवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिमी राज्य राइनलैंड-पैलेटिनेट के वाल्डोर्फ में एक महिला पर पेड़ गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 58 और 47 वर्षीय दोनों महिलाएं साथ चल रही थीं, तभी तूफान आ गया। तूफान से बचने के लिए दोनों ने एक स्थान पर शरण ली। इसी दौरान एक पेड़ उखड़कर उसी स्थान पर गिर गया और दोनों उसकी चपेट में आ गईं। हादसे में 58 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 47 वर्षीय महिला को अस्पताल ले जाया गया। डीपीए के अनुसार, बर्लिन से 78 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित फुर्स्टेनवाल्डे में बवंडर आया। इससे कई इमारतों की छतें उड़ गईं और पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। पश्चिमी जर्मनी के वेस्टरवाल्ड जिले के होर-ग्रेंजहाउजेन में भी तूफान ने इमारतों को नुकसान पहुंचाया, जिससे उनकी दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं।

प्रदर्शन

जादवपुर विश्वविद्यालय में एसएफआई और अन्य वामपंथी छात्र संगठनों के साथ हुई झड़प के बाद, कोलकाता में विश्वविद्यालय गेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को रोकती पुलिस।

फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा बनाएंगे महात्मा गांधी पर फिल्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा भारत के स्वतंत्रता के इतिहास से जुड़े एक कम चर्चित 21 दिनों के अध्याय पर फिल्म बनाने जा रहे हैं, जिसमें मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी की भूमिका निभाएंगे। इस नई फिल्म का निर्देशन सुधीर मिश्रा करेंगे। सुधीर 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी', 'धारावी' और 'इस रात की सुबह नहीं' जैसी राजनीतिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वहीं,

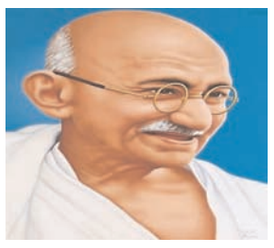

'मुल्क', 'आर्टिकल 15' और 'थप्पड़' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले अनुभव सिन्हा अपने बैनर 'बनारस मीडिया वर्क्स' के तहत इस फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म में सौरभ शुक्ला सहित कई बेहतरीन कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार, ''यह नई फिल्म इतिहास के एक महत्वपूर्ण लेकिन कम चर्चित अध्याय पर केंद्रित है, जो कि भारत की स्वतंत्रता के दौरान महात्मा गांधी के जीवन के 21 दिन को दिखाती है। ऐसे समय में जब देश आजादी की दहलीज पर कदम रख रहा था और दिल्ली सत्ता का केंद्र बन रही थी, गांधी ने वहां से दूर जाने का एक अप्रत्याशित फैसला किया।'' मिश्रा ने एक बयान में कहा, लेकिन वहां से दूर जाकर उन्होंने पीछे हटने का काम नहीं किया, बल्कि खुद को नए सिरे से परिभाषित किया। इतिहास की किताबें भले ही उस दौर की सामान्य घटनाओं को दर्ज करती हैं।

कैंसर की वजह बताएगा एआई मंच

नई दिल्ली/भाषा। कैंसर क्यों होता है? दिल्ली के इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता इस अहम सवाल का जवाब तलाशने की दिशा में एक कदम आगे बढ़े हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित एक मंच तैयार किया है, जो डीएनए को हुए नुकसान को समझने और यह पता लगाने में मदद करता है कि कैंसर की शुरुआत किन कारणों से हुई। शोधकर्ताओं के मुताबिक, 'म्यूटएआईवर्स' जनरेटिव एआई पर आधारित अपनी तरह का पहला मंच है। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी में सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित 27 मरीजों पर परीक्षण के दौरान 'म्यूटएआईवर्स' ने तंबाकू के सेवन को बीमारी की जड़ के रूप में पहचाना।

'जनरेटिव एआई' एक ऐसी प्रौद्योगिकी है, जिसे बड़ी मात्रा में डेटा के आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। यह चित्र, ऑडियो और वीडियो समेत अन्य सामग्री तैयार कर सकता है तथा उपयोगकर्ता के प्राकृतिक भाषा में दिए गए निर्देशों

का जवाब दे सकता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने कहा कि एआई भले ही कैंसर के उभार को समझने के लिए अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराता है, लेकिन अपने मौजूदा स्वरूप में यह पक्के तौर पर साबित नहीं करता कि किसी खास चीज के संपर्क में आने से डीएनए को हुआ नुकसान ही कैंसर का कारण बना। शोध दल में गुवाहाटी स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के शोधकर्ता भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने कहा कि उनका शोध केवल बीमारी की पहचान तक सीमित रहने के बजाय उसके कारणों पर ध्यान केंद्रित करता है और यह एक उपयोगी जांच उपकरण साबित हो सकता है। मुख्य शोधकर्ता और आईआईआईटी-दिल्ली के कंप्यूटेशनल बायोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर गौरव आहूजा ने पीटीआई-भाषा' से कहा, कोई भी इस बात पर चर्चा नहीं करता कि कैंसर किस वजह से हुआ।

आप किस चीज के संपर्क में आए? क्या आप प्रदूषण के संपर्क में थे? क्या आप दूषित पानी के संपर्क में थे? या फिर आप सिगरेट के धुएं के संपर्क में थे? इसकी जानकारी आपको कोई नहीं देता। उन्होंने कहा कि हम जिस वातावरण में रहते हैं, वहां हम लगातार कई तरह के रसायनों के संपर्क में आते रहते हैं, जो डीएनए में बदलाव पैदा कर सकते हैं।

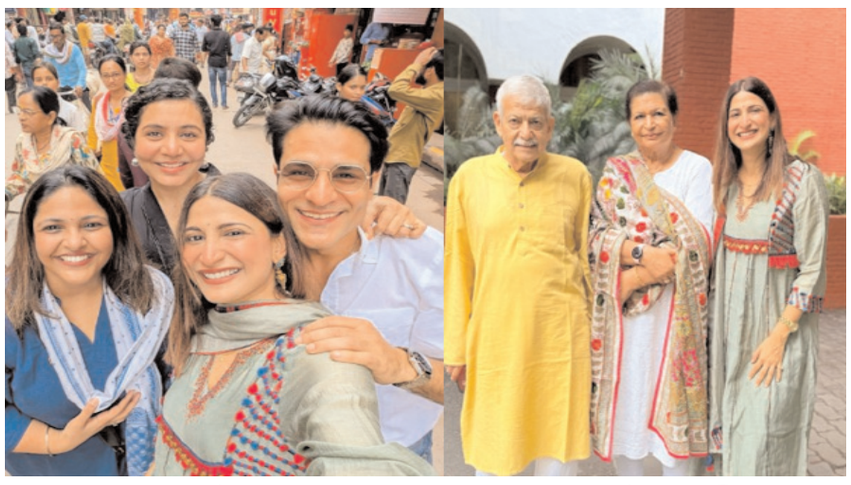

श्रावण में अहाना कुमरा ने परिवार संग किए काशी विश्वनाथ के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अहाना कुमरा ने हाल ही में परिवार और दोस्तों के साथ वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की झलक शेयर की। अभिनेत्री ने बताया कि उनके कुछ दोस्तों की वजह से ये खास यात्रा सफल हो पाई। अभिनेत्री अहाना कुमरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने माता-पिता, अभिनेता सनी हिंदुजा, उनकी पत्नी शिंजिनी रावल के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि काशी में उनके पिता का पुराना घर भी है, जिस वजह से यात्रा और भी खास हो गई थी। अभिनेत्री ने लिखा, कुछ यात्राएं सिर्फ यात्रा नहीं होतीं, बल्कि आशीर्वाद होती हैं। श्रावण मास में मम्मी-पापा के साथ काशी विश्वनाथ में महादेव का आशीर्वाद लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

अहाना कुमरा ने बताया कि काशी में उनका पैतृक घर है, जिसे देख पिता की पुरानी यादें फिर से जीवंत हो गईं। अभिनेत्री ने लिखा, चूंकि वाराणसी में पापा का घर है, तो उनका बचपन आंखों के सामने जिंदा हो गया। पापा को ऐसे खुश देखकर ये सफर और भी ज्यादा खास बन गया। वहां पापा के साथ में घूमना, पूजा करना और इस तरह की हसीन यादें बनाना, तो मानो ऊपर वाले की ओर से दिया गया सबसे अच्छा तोहफा है।अहाना कुमरा ने अभिनेता सनी हिंदुजा, उनकी पत्नी शिंजिनी रावल, अभिषेक जालन और सुद्धी जग्गी कपूर को उनकी यात्रा को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, और ये सब मेरे भांजे के बर्थडे वाले दिन हुआ, तो और भी जादू जैसा लगा। मैं दिल से आभारी हूं आप सबकी और ऊपर वाले की। कुछ आशीर्वाद ऐसे होते हैं जिन्हें हमेशा दिल में संभाल कर रखना चाहिए। हर हर महादेव। अभिनेत्री अहाना कुमरा एक प्रतिष्ठित परिवार से आती हैं। उनके पिता सुशील कुमरा ल्यूपिन लिमिटेड (दवा क्षेत्र की जानी-मानी कंपनी) के पूर्व उपाध्यक्ष हैं, जबकि मां सुरेश कुमरा वाराणसी की पूर्व डीएसपी रह चुकी हैं। उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

रॉकिंग स्टार यश ने टॉक्सिक पर कहा: यह बड़ों के लिए एक फेयरी टेल है, हमने इसे बच्चों के लिए नहीं बनाया है

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई रॉकिंग स्टार यश ने अपनी फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर खुलकर बात की और बताया कि दर्शकों को इस फिल्म से क्या उम्मीद रखनी चाहिए। यश के मुताबिक, यह फिल्म सिर्फ एक पारंपरिक कहानी नहीं है, बल्कि इंसानी फितरत के उन गहरे और असहज पहलुओं को भी सामने लाती है, जिन्हें आमतौर पर कहानियों में ज्यादा नहीं दिखाया जाता। यश ने ये बातें राजत शर्मा के शो आप की अदालत में अपनी मौजूदगी के दौरान साझा कीं।टॉक्सिक के बारे में बात करते हुए, यश ने कहा कि उनके किरदार की हर परत को पूरी सच्चाई के साथ दिखाना बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा, कहानी जहाँ भी पहुँचेगी, इस किरदार की हर परत तक जाना जरूरी है। और मेरे लिए ऐसी कहानी को सबसे प्रामाणिक तरीके से बताया जाना चाहिए। यह एक इंसान के तौर पर मेरे दायरे से भी आगे की बात है।यश ने फिल्म की टैगलाइन ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स पर भी बात की और बताया कि यह टैगलाइन ही दर्शकों को फिल्म के अंदाज और कहानी का एक साफ संकेत देती है। उन्होंने कहा, जब से

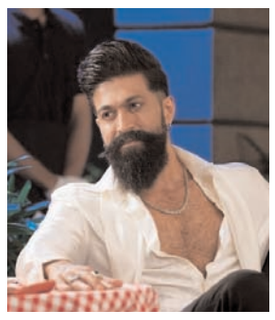

मैंने इसका टाइटल रखा है, तभी उसके नीचे टैगलाइन भी रखी है। यह बड़ों के लिए एक फेयरी टेल है।

फिल्म के दर्शकों को लेकर यश ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि टॉक्सिक बच्चों के मनोरंजन के लिए नहीं बनाई गई है। उन्होंने कहा, बच्चों को यह फिल्म नहीं देखनी है। यह फिल्म बच्चों के लिए नहीं बनाई गई है। सारे बच्चे घर पर ही रहें। यह बिल्कुल साफ है। हमने इसे बच्चों के लिए नहीं बनाया है। यश के लिए टॉक्सिक एक जटिल और कई परतों वाली कहानी है, जिसे दर्शक अपने नजरिए से समझ और महसूस कर सकते हैं। फिल्म के किरदारों और उनकी दुनिया को देखने का अनुभव हर दर्शक के लिए अलग हो सकता है। टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स दुनियाभर में 26 अगस्त, 2026 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

जागरूकता

नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मानसिक स्वास्थ्य, सहनशीलता और भावनात्मक कल्याण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दिल्ली से कन्याकुमारी तक आयोजित मोटरसाइकिल रैली 'ए राइड फॉर रेजिलियंस' और 'बियॉन्ड द हॉराइजन' के लॉन्च में शामिल हुईं बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिला टैगोर।

फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं : कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।उन्होंने आगे लिखा, यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है। अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं। हालांकि, इस बीच फिल्म की पूरी टीम कियारा के साथ नजर आई। वहीं, कियारा का मानना है कि यह बोल्ड और मजबूत किरदार उनके अभिनय करियर का एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म में यश (डबल रोल - राया और रूमी), कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार नजर आएंगे।

'धुरंधर' के बाद अक्षय खन्ना का 'महाकाली' में शुक्राचार्य अवतार, 24 को सामने आएगी पहली झलक

मुंबई/एजेन्सी

'हनु-मान' की जबरदस्त सफलता के बाद फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा अपने बहुप्रतीक्षित सिनेमाई यूनिवर्स के अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज़ ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, 24 अगस्त द एंड बिगिन्स। ऐसे में माना जा रहा है कि वे 24 अगस्त को 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं। यह झलक दर्शकों को इस बहुप्रतीक्षित भारतीय इतिहासनिष्ठ सिनेमाई स्पेक्टेकल की पहली झलक देगी। यह भी माना जा रहा है कि अपने चुने हुए किरदारों से लगातार दर्शकों को चौंकाने के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाते नजर आनेवाले हैं। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा और उत्सुकता पैदा कर चुका है। अब उनकी पहली झलक से दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य शक्ति और जटिल व्यक्तित्व से परिभाषित एक बेहद महत्वपूर्ण पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना द्वारा निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है।

'हनु-मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएँगे। 'हनु-मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली वास्तविक झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है।

'महाकाली', 'हनु-मान' के बाद प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आरके दुग्गल द्वारा प्रस्तुत और रिवाज़ रमेश दुग्गल के प्रोडक्शन में आरकेडी स्टूडियोज़ के बैनर तले बन रही इस फिल्म के क्रिएटर प्रशांत वर्मा हैं, जबकि पूजा अपर्णा कोल्लुरु इसका निर्देशन कर रही हैं।

फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ भूमि शेट्टी, रोहित सराफ और कई अन्य प्रमुख कलाकार नजर आनेवाले हैं। भव्य सिनेमाई स्तर पर तैयार की जा रही 'महाकाली' में शक्तिशाली भारतीय इतिहासनिष्ठ कथानक, शानदार विजुअल्स, विस्तृत वर्ल्ड-बिल्डिंग और बड़े पैमाने की कहानी के जरिए दर्शकों को एक इमर्सिव बड़े पर्दे का अनुभव देने का वादा किया गया है।

तप, त्याग और आत्मशुद्धि से आत्मोन्नति का मार्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एसएस जैन संघ साहुकारपेट के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित जयगच्छ के आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती, श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में तप, त्याग, आत्मशुद्धि एवं कर्मनिर्जरा के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तप और त्याग का जीवन अपनाने वाला व्यक्ति संसार की वस्तुओं के प्रति अनासक्त रहता है। अनासक्ति ही आत्मिक उन्नति का आधार है।

उन्होंने कहा भगवान महावीर ने बारह प्रकार के तप बताए हैं, जिनमें छह बाह्य (शारीरिक) तप तथा छह आभ्यंतर (मानसिक) तप हैं। तप का वास्तविक स्वरूप शरीर एवं इन्द्रियों पर संयम स्थापित करना है। तप केवल उपवास या भोजन का त्याग नहीं, बल्कि मन, वचन और काया को संयमित कर आत्मा को निर्मल बनाने की साधना है। उन्होंने एक सुंदर उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार कीचड़ पानी से ही बनता है और उसे स्वच्छ करने के लिए भी पानी का ही उपयोग किया जाता है, उसी प्रकार मन, वचन और काया से होने वाले कर्मबन्ध को भी मन, वचन और काया की शुद्ध साधना के माध्यम से ही तोड़ा जा सकता है। यही कर्मनिर्जरा का वास्तविक मार्ग है। कार्यक्रम का संचालन संघाध्यक्ष संजय पिंचा ने किया। आज नवकार महामंत्र के जाप का आयोजन शा. प्रकाशचंद, ज्योतिदेवी, संजय, संदीप एवं नमन पिंचा परिवार के गृह-आंगन में श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ। धर्मसभा में जितेंद्र भंडारी, दीपचंद कोठारी सुमन घिया, संदीप पिंचा, प्रवीण बागरेचा, हस्ती खटोड, शान्तिलाल दरडा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी।

जयगोपाल गारोदिया नगर स्तरीय अंतर विद्यालय भाषण प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय, अन्नानगर ने 19 व 20 अगस्त को अपने परिसर में शहर स्तरीय अंतर विद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें कुल 35 विद्यालयों के 88 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. अम्बेडकर सरकारी कला महाविद्याल के तमिल विभाग के सहायक प्रोफेसर जे उषा थीं।

प्रत्येक भाषा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान और दो सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। 18,500 रुपये का नकद पुरस्कार वितरित किया गया। विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया गया।

शैक्षणिक निदेशक जी. विजयकुमार, पुस्तक बैंक समन्वयक केशवन और प्रधानाचार्य एम. उमा ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मोक्ष का लड्डू भगवान को ही नहीं, अपने भीतर के कषायों को भी अर्पित करें : साध्वी प्रियरंजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोक्ष केवल उत्सव या परंपरा नहीं, बल्कि आत्मा को मोह-ममत्व और कर्मबंधन से मुक्त करने की साधना है। इसके लिए बाहरी सुख-सुविधाओं से अधिक भीतर के त्याग, तप और वैराग्य का महत्व है।

साध्वीश्री ने अवंति सुकुमार के जीवन का प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि वैराग्य जागृत होने पर उन्होंने संसार के सुखों को तुच्छ समझकर दीक्षा का मार्ग स्वीकार किया।

साधना के दौरान श्मशान में वन्य जीव द्वारा शरीर को नोचे जाने जैसी असहनीय पीड़ा के बावजूद उनका आत्मभाव अडिग रहा। उनके भीतर यही भावना थी

कि यह शरीर मेरा नहीं है, मेरी वास्तविक पहचान तो आत्मा है। उन्होंने कहा कि कुछ पाने के लिए कुछ छोड़ना पड़ता है। शरीर नश्वर है, जबकि आत्मा शाश्वत है, इस सत्य की अनुभूति ही वैराग्य की शुरुआत है।

साध्वीश्री शुभांजनाश्रीजी ने कर्मों की गहन व्यवस्था समझाते हुए कहा कि जीव जैसा कर्म करता है, उसी के अनुरूप उसे गति और फल प्राप्त होता है। मोह, हिंसा, क्रोध, अहंकार और आसक्ति से किए गए अशुभ कर्म दुःख का कारण बनते हैं। नरक गति की पीड़ा कर्मों के परिणामों की गंभीर चेतावनी है।

आरआईसी आईआईटीएम प्रवर्तक कार्यक्रम का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय मणीलाल एम मेहता गर्ल्स हायर सेकन्डरी स्कूल में आरआईसी आईआईटीएम प्रवर्तक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक राजेश एन दवे है इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय की छठवीं से नौवीं तक की छात्राओं को आभासी कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान, गणित बोलचाल की अंग्रेजी अपनी मातृभाषा में पढ़ाया जाएगा। सीआरसी की अध्यक्ष श्रीमती राम्या वासुदेवन ने इस कार्यक्रम का महत्व बताते हुए कहा कि इससे पढ़ाई के लिए इक्छुक छात्राओं को समान अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष अश्विनभाई के. कामदार, पत्राचारक प्रफुल्ला बेन पंड्या, उप-प्रमुख बकुलेशभाई विराणी मंत्री रोहितभाई के मेहता प्रधानाधार्या श्रीमती शशिकला एस. सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

परोपकार के बिना धन अर्जन की सार्थकता अधूरी है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा.ने गुरुवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में जितना आवश्यक अर्जन का ज्ञान है, उतना ही आवश्यक संरक्षण का ज्ञान भी है। क्योंकि अर्जन के साथ सुरक्षा का प्रश्न अनिवार्य रूप से जुड़ा हुआ है। व्यक्ति धन कमाता है तो उसकी सुरक्षा चाहता है, पद प्राप्त करता है तो उसे बनाए रखना चाहता है, प्रतिष्ठा अर्जित करता है तो उसे खोना नहीं चाहता। आज के इस अर्थवादी दौर में व्यक्ति सोचता है कि मेरे पास पैसा है, संपत्ति है, सत्ता है, संबंध हैं, इसलिए अब मैं सुरक्षित हूँ। लेकिन यही उसका सबसे बड़ा भ्रम है। धन सुरक्षा दे सकता है, लेकिन सुरक्षा की गारंटी नहीं। पद सुविधा दे सकता है, लेकिन संकट से रक्षा नहीं। प्रतिष्ठा सम्मान दे सकती है, लेकिन विपत्ति को रोक नहीं सकती। इस संसार में बाहरी सुरक्षा के जितने भी साधन दिखाई देते हैं, वे सभी परिस्थितियों के अधीन हैं। आज धन है, कल नहीं भी हो सकता। आज पद है, कल छिन सकता है। आज स्वास्थ्य है, कल परिस्थिति बदल सकती है। आज लोग साथ हैं कल हालात उन्हें दूर कर सकते हैं वास्तविक सुरक्षा व्यक्ति के पुण्य में है। पुण्य एक अदृश्य सुरक्षा-कवच की तरह है। जब विपरीत परिस्थितियाँ आती हैं, तब मनुष्य को केवल उसकी संपत्ति ही नहीं बचाती उसके पूर्व सत्कर्म, उसकी शुभ भावनाएँ, उसकी करुणा, उसकी सेवा और उसके द्वारा किए गए परोपकार भी जीवन में अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। इसलिए समझदार व्यक्ति केवल यह नहीं सोचता कि मैं कितना कमा रहा हूँ? वह यह भी सोचता है कि मैं कितना पुण्य कमा रहा हूँ? हम धन के लिए बैंक में खाते खोलते हैं, भविष्य के लिए निवेश करते हैं, बीमा करवाते हैं, संपत्ति बनाते हैं; लेकिन क्या हमने अपने पुण्य का भी कोई खाता बनाया है? यह चिंतन का विषय है। धर्मसभा का संचालन मंत्री शांतिलाल गुगलिया ने किया।

अपेक्षाएं कम होगी तो रिश्तों में प्रेम और जीवन में शांति बढेगी : आचार्य कुलबोधिसूरी

चेन्नई/दक्षिण भारत। श्री वेपेरी जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. ने गुरुवार को श्री भुवनभानुसूरी प्रवचन मंडप में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए 'शांत सुधारस' ग्रंथ का विवेचन किया। उन्होंने कहा कि अशांत चित्त को शांत करने में भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।आराधना के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए तीन उपाय हैं आदेश, संदेश और उपदेश। आचार्यश्री ने कहा कि अरिहंतों की भाषा आदेश की नहीं होती। वे जीवों को कल्याण और अकल्याण के दो मार्ग बताते हैं, लेकिन चुनाव व्यक्ति को स्वयं करना होता है। जिनशासन में आदेश की भाषा मान्य नहीं है। सिद्ध भगवंतों की भाषा संदेश की है, जिसका अर्थ इशारा है, जबकि साधु की भाषा उपदेश की होती है। दस प्रकार की समाचारी में सर्वप्रथम इच्छा समाचारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु और शिष्य एक-दूसरे को आदेश नहीं देते, बल्कि अनुकूलता होने पर कार्य के लिए राय पूछी जाती है। अयोग्य को आदेश और योग्य को उपदेश दिया जाता है, इसलिए अपनी योग्यता पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपदेश सुनकर सन्मार्ग पर आगे बढ़ना उत्तम भूमिका है। केवल शब्दों का पालन नहीं, बल्कि भीतर की इच्छा से धर्माचरण करना ही साधक की वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रेम और स्नेह स्थायी भाव हैं, लेकिन अत्यधिक अपेक्षाएं रिश्तों में अशांति का कारण बनती हैं। अपेक्षाएं कम होंगी तो जीवन में शांति बढ़ेगी। उन्होंने श्रोताओं से आत्मचिंतन कराते हुए पूछा आप मेरी बात सुनते हैं या समझते हैं?

प्रभु पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के प्रसंग में उन्होंने बताया कि संघ में 108 नामों का स्मरण करते हुए अट्ठम तप शुक्रवार से प्रारंभ होगा, जिसका उद्देश्य विश्वशांति, धर्मरक्षा और आत्मकल्याण है। उन्होंने तप में पीछे रहने के कारणों में मंद श्रद्धा, मंद सत्त्व, मंद संकल्प और मंद समर्पण को प्रमुख बताया। कहा कि होगा तो करूंगा नहीं, बल्कि मैं करूंगा ही का भाव सत्त्व और समर्पण है।

मन को जीत लिया तो धर्म की राह आसान : मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी म.सा. ने गुरुवार के प्रवचन में कहा कि भारतीय आर्य संस्कृति ने जीवन की हर परिस्थिति में भगवान को केंद्र में रखकर जीने की अद्भुत दृष्टि दी है। सुखद प्रसंग को भगवान की कृपा और प्रतिकूलता को ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार करना मन को समाधान प्रदान करता है। मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य शब्दों, नामों और शुभ-अशुभ संकेतों के प्रभाव को व्यवहार में स्वीकार करता है। इसलिए मंगलमय नाम और शुभ भाव भी मन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। हमारे पास भगवान की वाणी और महापुरुषों द्वारा सुरक्षित ज्ञान का जो अमूल्य भंडार है, वह हमारी सबसे बड़ी आध्यात्मिक संपदा है। अत: उपलब्ध समय, शरीर, स्वतंत्रता और सामर्थ्य का सदुपयोग धर्म एवं आत्मचिंतन में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकांश पाप बाहरी क्रिया से पहले मन में जन्म लेते हैं। कर्मबंध केवल क्रिया से नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपे आशय और भावना से होता है। आशय शुद्ध हो तो सामान्य क्रिया भी धर्म बन सकती है, जबकि मन में हिंसा, द्वेष या मलिनता हो तो छोटी-सी क्रिया भी कर्मबंध का कारण बन सकती है। इसलिए संसार को जीतने से पहले अपने मन पर विजय पाना आवश्यक है।

मुनिश्री ने मनोयोग, वचनयोग और देहयोग की चर्चा करते हुए कहा कि मनोयोग में अपार शक्ति है। यही शक्ति मनुष्य को धर्म की ऊंचाइयों तक भी ले जा सकती है और पाप की गहराइयों में भी पहुंचा सकती है। केवल धार्मिक क्रियाएं करना पर्याप्त नहीं, उनमें मन की उपस्थिति और शुद्ध भावना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि मनुष्य पाप को आज और धर्म को कल पर टालता रहता है, जबकि धर्म का कार्य आज और अभी करना चाहिए। शुभ कार्यों को बार-बार टालना हमारे भीतर भाव की कमी को दर्शाता है। इसलिए मन को मलिन होने से बचाकर शुभ भावों में स्थिर रखना ही वास्तविक साधना है। मन निर्मल हो तो धर्म की प्रत्येक क्रिया सार्थक बनती है।

खेल मिलाप 2026 का आयोजन

खेल शारीरिक सामर्थ्य के साथ अनुशासन, एकाग्रता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का संचार करता है : आधव अर्जुन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्री एस एस जैन एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा खेल मिलाप 2026 का आयोजन जवाहर लाल नेहरू इनडोर स्टेडियम वेपेरी में किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के लोक निर्माण मंत्री आधव अर्जुन थे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक सामर्थ्य का विकास नहीं करते, अपितु खेल अनुशासन, एकाग्रता, धैर्य, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का भी संचार करते है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार जाति, पंथ अथवा क्षेत्र के किसी भी भेदभाव से परे प्रत्येक नागरिक को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में उन्होंने जैन समाज के साथ अपने दीर्घकालिक आत्मीय संबंधों का स्मरण करते हुए विशेष रूप से एएम जैन कॉलेज के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने अपने खेल-जीवन, विशेषतः फुटबॉल एवं बास्केटबॉल के दिनों से ही ए. एम. जैन कॉलेज से जुड़े अपने संबंधों को स्मरण किया और कहा कि अपने छात्र जीवन से ही उनके मन में जैन समाज के प्रति विशेष श्रद्धा एवं सम्मान का भाव विद्यमान है। उन्होंने जैन समुदाय के वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा की मुक्त कंठ से प्रसंशा करते हुए कहा कि एएम जैन कॉलेज ने उनके बास्केटबॉल के दिनों में हर संभव मदद की।

उन्होंने एएम जैन कॉलेज द्वारा विद्यार्थियों को खेलकूद के क्षेत्र में प्रदान किए जाने वाले विपुल अवसरों की सराहना भी की । महोत्सव के विशिष्ट अतिथि अंतराष्ट्रीय एक्रेस्ट्रियन शुभ चौधरी थे जिन्हें यूथ ओलिंपिक 2026 में प्रतिभागी के रूप में चुना गया है उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे बहुआयामी खेल महोत्सव का साक्षी बनना गौरव की बात है उनकी कामना है कि सभी खेल प्रतिभागियों का भविष्य उज्वल हो। एस. एस. जैन एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पदम चंद चोरड़िया ,उपाध्यक्ष हस्तिमल चौधरी, सेक्रेटरी जनरल अभय श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष टी. कैलाशचंद चोरड़िया तथा संयुक्त सचिव महेंद्र ढढा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'खेल मिलाप-26' के चेयरमैन दलजीत सिंह ढढा, वाइस चेयरमैन प्रदीप चोरड़िया एवं सेक्रेटरी डॉ जयश्री बालवेंकट भी इस अवसर पर उपस्थित थी। अपने स्वागत भाषण में सोसाइटी के अध्यक्ष पदमचंद चोरड़िया ने सभी विद्यालयों के शैक्षणिक गतिविधियों एवं उनके कुशल संचालन के बारे में अवगत कराया। खेल मिलाप महोत्सव के चेयरमैन दलजीत सिंह ढढा ने खेल मिलाप की रूपरेखा, कार्यविधि, उद्देश्य एवं उसके लक्ष्य के बारे में सभी को व्यापक रूप से अवगत कराया। खेल मिलाप महोत्सव की समग्र चैंपियन एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल (33 मेडल) रही। इस क्रम में बाबूजी गौतम ने मुख्य अतिथि की प्रशंसा करते हुए कहा कि श्री अर्जुन एक अत्यंत प्रखर राजनेता के साथ साथ एक मंजे हुए खिलाड़ी भी है।

विद्यालयों के संयुक्त कार्यक्रम खेल मिलाप में ए एम जैन स्कूल के सचिव उधन कुमार चोरड़िया, सह सचिव हेमंत चोरड़िया एवं प्राचार्या जयश्री वेंकटरामन, एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल के कॉर्रेस्पोंडेंट हनुमानचंद बोथरा, सचिव दलजीत सिंह ढढा प्राचार्या डॉ जयश्री बालवेंकट, बीएससी जैन स्कूल के कॉर्रेस्पोंडेंट अजय चोरड़िया, सचिव सुमेरचंद चोरड़िया एवं प्राचार्या श्रीमती एम मालिनी सहिच अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

भगवान भोलेनाथ का हुआ भव्य रुद्राभिषेक

चेन्नई/दक्षिण भारत। मद्रास कांवड़ संघ, चेन्नई की रजत जयंती वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित पावन कांवड़ यात्रा के सफल एवं सुखद समापन के उपरांत आज अन्नानगर स्थित डागा निवास पर भगवान भोलेनाथ के प्रति कृतज्ञता एवं आभार प्रकट करने के लिए भव्य रुद्राभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में लगभग 200 श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पंडित श्री शिव नारायण झा एवं उनकी पूरी टीम के नेतृत्व में विधि-विधानपूर्वक पूजा-पाठ एवं संपूर्ण नमक चमक रुद्री पाठ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर परिवार, समाज एवं सभी शिवभक्तों के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

मद्रास कांवड़ संघ के अध्यक्ष संजय मूंदड़ा ने कहा कि रजत जयंती वर्ष की यह कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, अनुशासन, भाईचारे एवं शिवभक्ति का अद्भुत संगम रही। उन्होंने कहा कि सुल्तानगंज से बाबा बैद्यनाथ धाम तक यात्रा के दौरान कांवड़ियों एवं अन्य शिवभक्तों की सेवा करने का जो संकल्प लिया गया था, वह सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक पूरा हुआ। उन्होंने यात्रा में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, कांवड़ियों, सेवाभावी कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। रुद्राभिषेक एवं भजन-कीर्तन के पश्चात भगवान भोलेनाथ की भव्य महाआरती की गई। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से महाआरती में भाग लिया। आरती के दौरान हर-हर महादेव, ॐ नमः शिवाय एवं बोल बम के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा।

कॉलेज छात्रों के लिए मुफ्त किताबें

चेन्नई। यहां जयगोपाल गरोडिया चैरिटेबल बुक बैंक, जो जेजीवीवी ट्रस्ट द्वारा संचालित है और अन्ना नगर के सातवीं गली, 'यू' ब्लॉक में स्थित है सम्पर्क नंबर 2620 6261, मुफ्त पुस्तकों की आवश्यकता वाले कॉलेज छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है। आवेदन पत्र और उपलब्ध पुस्तकों की सूची ु.क्षर्सीलेज्ञलरपज्ञ.ीस पर देखी जा सकती है। छात्र पहचान पत्र दिखाने पर बुक बैंक से भी आवेदन पत्र प्राप्त किए जा सकते हैं। पुस्तक बैंक में वाणिज्य, लेखा, विज्ञान, कला, कंप्यूटर विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन आदि विषयों की 600 श्रेणियों में चालीस हजार से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकों की सूची पुस्तक बैंक में प्रदर्शित है। कॉलेज अधिकारियों द्वारा प्रमाणित भरा हुआ आवेदन पत्र और छात्र के निवास प्रमाण पत्र को कार्यदिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच व्यक्तिगत रूप से जमा करना होगा। यदि आवेदन पत्र सभी प्रकार से सही पाया जाता है, तो उपलब्धता और भीड़भाड़ के अनुसार पुस्तकें जारी की जाएंगी। कोई सुरक्षा जमा या प्रसंस्करण शुल्क नहीं है। दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करना ही पर्याप्त है। परीक्षा समाप्त होने के बाद पुस्तकें लौटा देनी चाहिए। यह पुस्तक बैंक पिछले 26 वर्षों से परोपकारी जयगोपाल गरोडिया के सपने को साकार करने के लिए कार्यरत है, जिन्होंने वंचितों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की एक श्रृंखला स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अब तक राज्य भर के 250 कॉलेजों के लगभग एक लाख बीस हजार छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। बुक बैंक ने अब तक अन्ना विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय स्तर पर सात स्वर्ण पदक विजेता तैयार किए हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.